राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI.No. UPHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करे 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | 9511151254 | epaper.swatantraprabhat.com | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, सोमवार, 24 मार्च 2025

वर्ष 13, अंक 328, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

भारतीय किसान यूनियन धर्मेन्द्र गुट के जिलाध्यक्ष ने एसडीएम को सौंपा 20 सूत्रीय मांग पत्र...03

राजकीय आश्रम पद्धति बालिका विद्यालय बिशनपुर विश्राम में बड़ा घोटाला- सूत्र...04

श्री लाल शुक्ल साहित्य की आत्मा उपन्यास और व्यंग की ज्वाला भारत के स्वाभिमान और भारत के पौरूष भी है

ऐसा लगता है कि वह भारत की रोशनी में भी हैं और दिग्दर्शनी में भी

दया शंकर त्रिपाठी

लखनऊ। जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा है कि श्री लाल शुक्ला साहित्य की आत्मा थे उपन्यास और व्यंग की ज्वाला थे भारत के स्वाभिमान भी है और भारत के पौरूष भी।ऐसा लगता है कि वह भारत की रोशनी में भी हैं और दिग्दर्शनी में भी। श्री सिन्हा महान साहित्य का र श्री लाल शुक्ला के जन्म सती समारोह में मुख्य अतिथि पद से एक भव्य समारोह को संबोधित कर रहे थे लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रेक्षा गृह में आयोजित इस समारोह में उन्होंने कहा की दुनिया में कभी-कभी ऐसे व्यक्ति अवतरित होते हैं जिनके माध्यम से राष्ट्र अपना गीत गाता है। श्री लाल शुक्ला के विराट व्यक्तित्व के माध्यम से ग्रामीण भावनाओं को स्वर मिला। उन्होंने कहा कि 1949में श्री लाल शुक्ल सरकारी सेवा में आए ।1947 में भारत आजाद हुआ दो वर्ष बाद भारत के विकास निर्माण की तैयारी शुरू हुई और 1952में भारतीय गणराज्य की स्थापना हुई। जिसमें भारतीय आर्थिक विकाश और आम नागरिक के जीवन के अधिकार और विकास के लिए प्रशासनिक आयोग का गठन सरदार पटेल के नेतृत्व में हुआ जिससे योजनाओं को बेहतर ढंग से लागू करने और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को मिले रुल ऑफ लॉ से देश चले इसकी व्यवस्था की कोशिश की गई।देश के विकाश में पहला कदम बढ़ा तो श्री शुक्ल साहित्य कार नहीं थे और देश के विकास के निर्माण में एक सदस्य के रूप में सरकारी सेवक की सीट पर बैठकर रियल साइट व्यू ले रहे थे और बदलाव के साक्षी ही नहीं बने बने बल्कि बदलाव के एजेंट के रूप में स्वयं काम किया। श्री सिन्हा ने उनके जीवन पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए आगे कहा कि सिविल सेवा के बाद समाज और राष्ट्र निर्माण का भी संयम उनका लगातार चल रहा था।उनकी चेतना में केवल शब्दों के रंग नहीं बल्कि अपने कर्त्तव्यों को निभाने में भी एक संयम था। राग दरबारी आज भी प्रासंगिक है या नहीं इस पर लेखकों के विचार और मंच हो सकते है मै उसका नहीं हिस्सा हु न ही विचार रख सकता हूं। लेकिन इतना मै कह सकता हु कि किसी भी पाठक को राग दरबारी भूगोल और अर्थशास्त्र की दृष्टि से नहीं पढ़ना चाहिए। बल्कि इस जन्म सती समारोह में हमें संकल्प लेना चाहिए कि उसके साथ शिवपालगंज गंज को भी पढ़े और भूगोल और अर्ध शास्त्र की दृष्टि से न पढ़ें।राग दरबारी के किसी के रूप में न देखे बल्कि उसे लक्षण के रूप में देखे। तो एक सिस्टम का लक्षण विद्यमान दिखाई देगा।और उस काल खंड की व्यवस्था और का दृष्टि कोड भी देश के सामने प्रस्तुत कर सकेंगे।श्री लाल शुक्ल ने यह जिम्मेदारी बखूभी निभाई थी। उन्होंने कहा कि उस दौर में देश की आबादी

65 करोड़ थी।जब रागदरबारी शुक्ल जी लिख रहे थे तो देश में दो जून की रोटी पेट भरने का पूरा नहीं हो रहा था 55 प्रतिशत आबादी गरीबों की रेखा के नीचे थी जिसके लिए 60 मिलियन टन भोजन की आवश्यकता थी देश में कुल 44 मिलियन टन ही अनाज पैदा होता था और 16 मिलियन टन विदेश के सहायता पर निर्भर थी।शिक्षा पर प्रति व्यक्ति परिवार पर एक ?16 पैसे खर्च होते थे 100 करोड़ विदेशी मुद्रा कोष था 35 000 के लगभग उद्योग धंधे थे 12000 किलोमीटर केवल सड़के थी 72त्न आबादी के ऊपर कर्ज था ऐसी परिस्थित में राग दरबारी लिखा गया था उसमें भूगोल और अर्थशास्त्र के दृष्टि से देखना ठीक नहीं है । राग दरबारी में अनेक तत्व हैं जिसे आज भी पहचाना नहीं जा सकता। शिवपाल गंज से जुड़े अनेक किस्से जो बदलती हुई दुनिया के हाथों में फिट नहीं होंगे उस कालखंड के सभी पात्रों का स्ट्रक्चर इसलिए जरूरी था क्योंकि उसके बिना राग दरबारी का भव्य भवन खड़ा नहीं हो सकता था ।इसलिए भौगोलिक और आर्थिक रूप से शिवपालगंज को भी देखना छोड़ दें तो हर दूसरे चेहरे में वह रोपन बाबू प्रिंसिपल साहब और रघुनाथ की कार्बन कॉपी की खोज समाप्त करके इस उपन्यास को सिस्टम के नजरिया से देखें तो राग दरबारी की शाश्वत और सर्वव्यापी नजर आएगा। अपराधियों के संरक्षण की व्यवस्था 1968 के शिवपालगंज के कस्बे में ही नहीं थी बल्कि अमेरिका जैसे विकसित दुनिया के फेडरल सरकार के उन शहरों के साथ टकराव चल रहा है जिसमें सेंचुरी सिटी सेंचुरी सिटी हम कहते हैं फेडरल सरकार का कहना है कि ऐसे शहरों को स्थानीय प्रशासन खुलेआम प्रश्रय दे रहा है ताकि वे अपराध कर सके। पिछले दिनों एक खबर आई थी अमेरिका के दो शहरों में एक अपार्टमेंट को अपराधी गैंग ने कब्जा कर रखा है। विश्व में कई जगह में ऐसी कुछ उदाहरण मिल जाएंगे हमारे देश में भी मिलेंगे जहां ला एंड ऑर्डर की स्थिति को देखकर दरोगा जी की अक्सर याद आ जाती है। विश्व में आज भी ऐसे देश हैं जहां विद्यालय में 12 महीने पढ़ाई कम आंदोलन ही मिलेंगे । इसी प्रकार गोपालगंज की गवर्नमेंट का उन समस्याओं का प्रस्तुतीकरण उस समय खिंच गया था जो दूर तक सीमित थी सामाजिक क्रांति और 60 दशक के समावेशी विकास के पक्ष हमें एक साथ तो नहीं मिलेगा लेकिन दूसरा शिवपालगंज हमें नहीं मिलेगा ।लेकिन शुक्ला जी ने राग दरबारी में इन लक्षणों के जिस सिस्टम की चर्चा की है वह भारत में किसी ने किसी प्रदेश और देश के एक हिस्से में जरूर दिखाई देगा। उन्होंने कहा हजारों वर्ष पूर्व हमारे ऋषियों ने कहा था की सत्य का रास्ता बहुत सुगम होता है यह सोचकर नहीं कहा था कि जब 6000 साल बाद लोग इसे पढ़ेंगे तो इसमें मिल्टन को भी समझने की कोशिश करेंगे । इसलिए 2007 में जब रात दरबारी का दूसरा संस्करण श्री शुक्ला जी लिख रहे थे उसकी प्रस्तावना में ही 40 वर्ष पहले लिखे गए। उस उपन्यास को आज से ज्यादा प्रासंगिक होने की बात कही थी। इसका दूसरा पहलू भी है की लेखन अस्तित्व से जुड़े संदेश का असली वॉक लेखक होता है। राग दरबारी को एक अलौकिक घटना कहा जा सकता है जिसमें श्री शुक्ल ने शिवपालगन के तमाम पात्रों को के जीवन की कहानी और मानव जीवन के चेतना को सुहातनी शरीर के अमीरपन छोड़ गए हैं । अब आप हम पर निर्भर करता है कि हम इसे पढ़ते कैसे हैं और यदि पढ़ने वाले इस सूत्र को समझ कर आनंदित होता है लंगड़ की कहानी से सिविल सेवा से जुड़ी कहानी से राजस्व से जोड़ा जा सकता है जम्मू कश्मीर में मेरी जमीन मेरी निगरानी का कार्यक्रम मैंने चलाया तो उसमें राग दरबारी के लंगड़ की कहानी मेरे लिए प्रेरणा का स्रोत था। श्री सिन्हा ने कहा की यकीनन जब लेखक अक्सर कुछ लिखता है वह संसार में हो नहीं सकता। आलोचक किसी लेखक में अच्छा या बुरा कह सकते हैं लेकिन विचारों को नष्ट करने का दुनिया में कोई तरीका अभी तक निजात नहीं हो पाई है। उनके विचार राग दरबारी तक सीमित नहीं था। श्री सिन्हा ने कहा मैं लेखकों के बारे में तो नहीं क सकता लेकिन आम जनता के बारे में यह जिम्मेदारी से कह सकता हूं कि उन्होंने राग दरबारी को जितनी बार पढ़ा है उसमें मौजूद विचार उपन्यास के पा त्र और उनकी उपस्थिति का वर्णन किताब के पन्नों से निकाल कर लोगों की चेतना में समाहित हो चुका है। आंकड़े बदलते हैं लेकिन भीतर की आंखों ने जो पढ़ा वह अस्तित्व को छुपाता है ।और जीवन पर्यंत चलता है । राग दरबारी पुस्तक ऐसा उन्हें विश्वास है कि विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में मददगार साबित होगी ऐसा मुझे विश्वास है उन्होंने अंत में से लाल शुक्ला को अपने श्रद्धांजलि अर्पित की।

संक्षिप्त ख़बरें

शिक्षक के साथ मारपीट के संबंध में शिक्षक संघ शिक्षा अधिकारी को दिया ज्ञापन

कछौना, हरदोई। को कछौना ब्लॉक के शिक्षक पवन कुमार स0अ0 के साथ कल विद्यालय से वापस घर जाते समय कुछ अराजकतत्व व्यक्तियों द्वारा मारपीट की थी। जिसके संबंध मे प्राथमिक शिक्षक संघ ने विरोध किया और खंड शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही हेतु ज्ञापन दिया। इस मौके पर मंत्री मुज्जमिल, सयुंक्त मंत्री श्रवण कुमार, उपाध्यक्ष राणा प्रताप, अतुल, धीरज एव श्री ज़ैद तौकीर उपस्थित रहे। उक्त घटना निंदनीय हैं, शिक्षक के साथ मारपीट और अभद्रता के लिए संगठन हमेशा साथ हैं। यदि हमलावरो की गिरफ़्तारी न हुई तो संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा

ब्लाक संसाधन व्यक्तियों के पैनल गठन हेतु साक्षात्कार 24 मार्च को:- कमलेश कुमार

हरदोई. जिला विकास अधिकारी कमलेश कुमार ने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी महोदय के अनुमोदन एवं अनुपालन में ब्लाक संसाधन व्यक्तियों के पैनल गठन हेतु प्राप्त आवेदन पत्र के आवेदकों को सूची के अनुसार सूचित किया गया है कि वह 24 मार्च 2025 को अपरान्ह 2.30 बजे से आयोजित साक्षात्कार में अपनी शैक्षिक योग्यता, अनुभव संबंधी मूल अभिलेखों सहित उपस्थित हो। उन्होने कहा है कि साक्षात्कार में प्रतिभाग करने वाले अभ्यर्थियों को कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जायेगा।

विश्व वानिकी दिवस पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता के विजेता सम्मानित

पिहानी राजकीय महाविद्यालय में नेहरू युवा केंद्र के तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना के सहयोग से राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक अनुराग आर्य द्वारा विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर गोष्ठी एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में पर्यावरण संरक्षण और वनों के महत्व को बढ़ावा देना था।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. कौशलेंद्र विक्रम सिंह, डॉ. दयाल शरण और डॉ. लक्ष्मी नारायण ने पर्यावरण संरक्षण पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए और विद्यार्थियों को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने के लिए प्रेरित किया।

दिल्ली हाईकोर्ट के जज के घर आग से खुला बड़ा राज, कमरे में मिला बेहिसाब कैश।

स्वतंत्र प्रभात

दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के सरकारी आवास पर लगी आग के बाद भारी मात्रा में नकदी बरामद होने से न्यायिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। मामला इतना गंभीर हो गया कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के नेतृत्व वाले कॉलेजियम को उन्हें तत्काल स्थानांतरित करने का फैसला लेना पड़ा। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक जब आग लगी, उस समय न्यायमूर्ति वर्मा शहर से बाहर थे। उनके परिवार के सदस्यों ने फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी। दमकल कर्मियों ने आग बुझाने के दौरान एक कमरे में भारी मात्रा में नकदी बरामद की, जिसके बाद इस मामले की आधिकारिक एंट्री दर्ज की गई। स्थानीय पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया, जिसके बाद यह खबर सरकार के उच्च

अधिकारियों तक पहुंची और अंततः CJI को जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही CJI संजीव खन्ना ने तुरंत सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की बैठक बुलाई। कॉलेजियम ने सर्वसम्मति से न्यायमूर्ति वर्मा को दिल्ली हाईकोर्ट से उनके मूल हाईकोर्ट, इलाहाबाद स्थानांतरित करने का निर्णय लिया। न्यायमूर्ति वर्मा को अक्टूबर 2021 में इलाहाबाद से दिल्ली हाईकोर्ट में भेजा गया था। कॉलेजियम के कुछ सदस्यों ने इस घटनाक्रम पर चिंता जताते हुए कहा कि यदि केवल स्थानांतरण कर दिया जाता है, तो इससे न्यायपालिका की छवि धूमिल होगी और न्याय व्यवस्था से जनता का विश्वास कमजोर हो सकता है। कुछ सदस्यों ने सुझाव दिया कि न्यायमूर्ति वर्मा से इस्तीफा मांगा जाना चाहिए। यदि वे इनकार करते हैं, तो संसद के माध्यम से उन्हें हटाने की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए। संविधान के अनुसार, किसी भी हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के खिलाफ भ्रष्टाचार, अनियमितता या कदाचार के आरोपों की जांच के लिए 1999 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा इन-हाउस प्रक्रिया तैयार की गई थी। इस प्रक्रिया के तहत, CJI पहले संबंधित न्यायाधीश से स्पष्टीकरण मांगते हैं। यदि जवाब संतोषजनक नहीं होता या मामले में गहन जांच की जरूरत महसूस होती है, तो CJI सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश और दो उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों की एक इन-हाउस जांच समिति गठित कर सकते हैं। न्यायमूर्ति वर्मा के परिवार के सदस्यों ने फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी। दमकल कर्मियों ने आग बुझाने के दौरान एक कमरे में भारी मात्रा में नकदी बरामद की, जिसके बाद इस मामले की आधिकारिक एंट्री दर्ज की गई। 1999 में स्थापित सुप्रीम कोर्ट की आंतरिक प्रक्रिया संवैधानिक न्यायालयों के न्यायाधीशों के खिलाफ भ्रष्टाचार या कदाचार की शिकायतों से निपटने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करती है। इन दिशानिर्देशों के तहत्सीजेआई सबसे पहले संबंधित न्यायाधीश से जवाब मांगता है।यदि जवाब असंतोषजनक है या यदि मामले की गहन जांच की आवश्यकता है, तो सीजेआई एक आंतरिक समिति का गठन कर सकता है।इस समिति में सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश और उच्च न्यायालयों के दो मुख्य न्यायाधीश शामिल होते हैं।यदि समिति को कदाचार गंभीर लगता है, तो वह न्यायाधीश को इस्तीफा देने की सिफारिश कर सकती है। यदि न्यायाधीश इनकार करते हैं, तो उन्हें हटाने के लिए संसदीय कार्यवाही शुरू की जा सकती है। इस घटना ने न्यायिक प्रणाली में हलचल मचा दी है, जिससे न्यायिक जवाबदेही को लेकर गंभीर चिंताएँ पैदा हो गई हैं। सूत्रों ने संकेत दिया कि गृह मंत्रालय और अन्य अधिकारियों से प्राप्त प्रतिकूल रिपोर्टों ने कॉलेजियम द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अधिक पारदर्शिता और निष्ठा की मांग बढ़ने के साथ, न्यायमूर्ति वर्मा का स्थानांतरण एक व्यापक प्रक्रिया की शुरुआत मात्र हो सकता है, जिसमें औपचारिक जांच और अनु शासनात्मक कार्रवाई भी शामिल हो सकती है।दरअसल, संवैधानिक न्यायालय के जजों के खिलाफ भ्रष्टाचार, गलत काम और न्यायिक अनियमितता के आरोपों से निपटने के लिए 1999 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा आंतरिक प्रक्रिया तैयार की गई थी। इसके मुताबिक शिकायत प्राप्त होने पर, छ्छ्ढ्ढ संबंधित जज से जवाब मांगेंगे और यदि वे जवाब से संतुष्ट नहीं होते हैं, या उनका मानना है कि मामले की गहन जांच की आवश्यकता है, तो वे एक आंतरिक जांच समिति का गठन करेंगे।इसमें सुप्रीम कोर्ट के एक जज और अन्य हाईकोर्ट के दो मुख्य जज शामिल होंगे। आंतरिक जांच समिति द्वारा अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद, यदि CJI की राय में जज का कदाचार गंभीर प्रकृति का है, जिसके लिए जज को हटाया जाना आवश्यक है, तो वह जज से इस्तीफा देने के लिए कहेंगे।यदि जज ने इनकार कर दिया, तो CJI संविधान के अनुच्छेद 124(4) के तहत संसद में जज के खिलाफ हटाने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए सरकार को लिखेंगे।

फ्राड .....श्रेया ग्रुप ऑफ कॉम्पनीज़ ने फ्राड कर इंन्वेसटर को पैसे दोगुने का लालच देकर करोंड़ों रूपए ऐंठें , इंन्वेसटर ने पुलिस मे दर्ज कराया मुकदमा

श्रेया ग्रुप ऑफ कॉम्पनीज़ ने किया फ्राड , इंन्वेसटर को लगाया करोड़ो का चूना

स्वतंत्र प्रभात
विनीत कुमार मिश्रा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में लखनऊ शाइन सिटी की तर्ज पर हेमंत राय ने फ्राड कर सैकड़ो इंन्वेसटर को करोड़ों का चूना लगाया है । एस ग्रुप का कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के मालिक हेमंत राय ने अपना ऑफिस्-1/4 विवेक खंड मिठाई वाला चौराहा गोमतीनगर में बनाया हुआ था , जहां से वह लोगों को जमीनों में इन्वेस्ट कर 15 से 18 महीने का एस0आई0पी प्लान बेचकर पैसे दुगने करने का लालच देता था , इसके लिए उसने अपनी कंपनी का नाम बदलकर श्रेया ग्रुप आफ कंपनी रख लिया जिसके अंतर्गत उसने कई और कंपनियों का निर्माण किया जिनमें श्रेया इंफ्रा हाइट , श्रेया ज्वेलर्स ट्रेडर्स , श्रेया एसोसिएट , श्रेया बाजार और श्रेया इंफ्रा मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड रखा , हेमंत राय ने लोगो को श्रेया इंफ्रा मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड में इन्वेस्ट कराया और कुछ समय तक लोगों को रिटर्न दिया फिर जून 2024 के बाद से रिटर्न देना बंद कर दिया जब लोगों ने अपने रिटर्न की

मांग की तो हेमंत राय ने कहा कि उसका पैसा मार्केट में फंसा हुआ है वापस मिलने पर सबको पैसा चूका देगा लेकिन जब धीरे-धीरे समय बीतता गया और पैसा नही मिला तो लोगों ने दोबारा अपना पैसा मांगा तो हेमंत ने उनके साथ गाली गलौच किया और उन्हें जान से मरवाने की धमकी दी हेमंत राय लोगों को वर्चुअल जमीन दिखाकर पैसे इंवेस्ट कराता था जिसके लिए वह सरकारी जमीन को अपना बात कर लोगों से इनवेस्ट कराता था हेमंत पर महिलाओं के साथ अवैध संबंध के मामले में भी कानपुर में एक महिला ने आईपीसी की धारा 328 , 376 , 506 में मुकदमा दर्ज कराया है, लोगों को ठगने के लिए हेमंत कूट रचित दस्तावेज व नकली दस्तावेज दिखाकर लोगों के साथ ठगी करता था हेमंत राय पर उनके ही एक इन्वेस्टर ने करोड रुपए के घपला करने के लिए 22 नवंबर 2024 को कुरनूल थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी , लोग अपनी मेहनत की कमाई हेमंत राय के कहने पर कंपनी में इन्वेस्ट किया करते थे और वह सभी का पैसा हड़प लिया करता था इसके लिए वह लोगों का पैसा अपने निजी खाते में डलवाता था , कोई भी जब अपना पैसा वापस मांगता था तो वह लोगों को धमकी देता था कि उसके संबद्ध राज्य सरकार और भारत सरकार में बड़े नेताओं मंत्री के साथ हैं वह उन्हें झूठे मुकदमे फंसा कर जेल भिजवा देंगे , जिस डर से लोगों ने उसके खिलाफ शिकायत करने की हिम्मत नही की , रवि प्रकाश त्रिपाठी पुत्र स्व ओम प्रकाश त्रिपाठी निवासी पाठक पुरम कल्ली पश्चिम पी जी आई ने हेमंत राय के खिलाफ पुलिस में अपनी शिकायत दर्ज कराई है ।

पुलिस अधीक्षक ने रिट, सम्मन, मॉनिटरिंग सेल समेत विभिन्न शाखाओं की साप्ताहिक समीक्षा की

सुलतानपुर। पुलिस अधीक्षक सुलतानपुर श्री कुँवर अनुपम सिंह ने शुक्रवार को रिट सेल, सम्मन सेल, मॉनिटरिंग सेल, कन्विक्शन पोर्टल एवं न्यायालय सुरक्षा शाखा की साप्ताहिक समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने कार्यालय की कार्यप्रणाली एवं दस्तावेजों के रखरखाव का गहन निरीक्षण किया और सुधार की दिशा में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में संबंधित शाखाओं के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन और अधिक सतर्कता व जिम्मेदारी से करने के निर्देश दिए, ताकि न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े कार्य सुचारु रूप से संचालित हो सकें। उन्होंने कार्यालय के रिकॉर्ड प्रबंधन और न्यायालय सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया। इस समीक्षा बैठक का उद्देश्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करना था, जिससे न्यायिक कार्यों में तेजी लाई जा सके।

तेंदुए ने किया सियार का शिकार

सीतापुर जनपद सीतापुर के विकासखंड पहला के रसूलपुर तराई गांव में तेंदुए की दहशत बनी हुई है गुरुवार दोपहर को ग्रामीणों ने तेंदुए को देखा था इसकी सूचना महमूदाबाद वन विभाग को दी गई। बीती रात फिर करीब आठ बजे तेंदुआ ग्राम खाफा में कमलेश मौर्य के घर के पास एक सियार का शिकार कर गया कमलेश और धनीराम मौर्य ने तेंदुए को कुएं के पास लहसुन के खेत में देखा घटना की जानकारी के अनुसार, गुरुवार दोपहर करीब दो बजे ग्रामीण मुनव्वर अली, ओमप्रकाश कश्यप और ग्राम प्रधान अनिल कुमार ने तेंदुए को देखा तेंदुआ रोड क्रॉस कर अनिल प्रधान के खेत से होकर सत्यराम के खेत की तरफ जाते हुए देखा गया जिसके बाद वह गायब हो गया। बीती रात उसने फिर सियार का शिकार कर उसे अपने साथ उठा ले गया शुक्रवार को दिन भर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची टीम में वन दरोगा अरविंद कुमार, निमिष सिंह चौहान, जितेंद्र कुमार और रामनरेश यादव शामिल थे टीम ने इलाके में कांबिंग शुरू कर दी है वन विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी है वन दरोगा अरविंद कुमार और रमेश यादव ग्रामीणों के साथ पगचिह्नों की जांच कर रहे हैं!!

किसान आंदोलन- विरोध की राह से भटकाव तक का सफर

[टकराव से नहीं, संवाद से निकलेगा हल- किसान आंदोलन का संदेश]

लोकतंत्र का असली सौंदर्य उसकी आजादी में छिपा है–वह आजादी जो हर नागरिक को अपनी बात कहने, अपनी असहमति जताने का हक देती है। यह अधिकार ही लोकतंत्र की धड़कन है, जो सत्ता को जनता के प्रति जवाबदेह बनाए रखता है और शासन को निरंकुश होने से रोकता है। लेकिन जब यही विरोध अपनी सीमाएं लांघकर तर्क और समाधान की राह छोड़ देता है, जब वह हठधर्मिता और टकराव का रंग ले लेता है, तो वह न केवल अपने मकसद से भटक जाता है, बल्कि समाज के लिए बोझ बन जाता है। किसान आंदोलन इसका सबसे ज्वलंत और दुखद उदाहरण है। यह आंदोलन, जो कभी किसानों की आवाज बनकर उभरा था, धीरे-धीरे संवाद की संभावनाओं को कुचलता हुआ अड़ियलपन और अव्यवस्था का पर्याय बन गया। इसने न सिर्फ कृषि सुधारों के सवाल को उलझाया, बल्कि देश के सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न किया और आर्थिक ढांचे को ठप कर दिया। सवाल यह है–यह आंदोलन कहां से शुरू हुआ, और कहां जाकर भटक गया?

किसान आंदोलन की शुरुआत 2020 में तब हुई, जब केंद्र सरकार ने तीन कृषि कानूनों को लागू किया। सरकार का दावा था कि ये कानून किसानों को बिचौलियों की जकड़न से आजादी देंगे, उन्हें खुले बाजार में अपनी उपज बेचने का मौका देंगे, और खेती को आधुनिक बनाकर उनकी आय बढ़ाएंगे। यह एक बड़ा सपना था–कृषि को 21वीं सदी की जरूरतों के मुताबिक ढालने का सपना। लेकिन किसानों के मन में शंकाएं पनपने लगीं। क्या ये कानून बड़े कॉरपोरेट घरानों के लिए रास्ता बनाएंगे? क्या न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की व्यवस्था, जो दशकों से उनकी आर्थिक रीढ़ रही है, खत्म हो जाएगी? ये डर जायज थे, क्योंकि भारत जैसे देश में खेती सिर्फ आजीविका नहीं, संस्कृति और भावनाओं का हिस्सा है। किसानों ने सड़कों पर उतरकर अपनी आवाज बुलंद की, और शुरुआत में यह विरोध एक सशक्त लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति के रूप में उभरा।

सरकार ने इन शंकाओं को दूर करने की कोशिश की। कई दौर की वार्ता बुलाई गई, कानूनों में संशोधन का प्रस्ताव रखा गया, और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने भी कमेटी बनाकर बीच का रास्ता निकालने की पहल की। लेकिन आंदोलनकारी अपनी मांगों पर अड़े रहे। उनकी जिद थी कि कानून पूरी तरह रद्द हों और एमएसपी को कानूनी गारंटी मिले। यह अड़ियल रुख धीरे-धीरे संवाद की हर गुंजाइश को निगल गया। दिल्ली की सीमाओं पर ट्रैक्टरों की कतारें लगीं, सड़कें महीनों तक जाम रहीं, ट्रकों की लंबी लाइनें ठहर गई, व्यापार ठप हुआ, और आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। यह आंदोलन अब किसानों की लड़ाई से ज्यादा हठधर्मिता का प्रदर्शन बन चुका था। क्या यह वाकई किसानों के हित में था, या सिर्फ एक ऐसी जिद जो समाधान की बजाय समस्या को और गहरा रही थी?

किसानों की सबसे बड़ी मांग थी कि एमएसपी को कानूनी दर्जा दिया जाए। पहली नजर में यह मांग भावनात्मक रूप से मजबूत और जायज लगती है। आखिर कौन किसान नहीं चाहेगा कि उसकी फसल का दाम तय हो, उसकी मेहनत की कीमत सुरक्षित रहे? लेकिन इस मांग का दूसरा पहलू उतना ही जटिल और चुनौतीपूर्ण है। अगर एमएसपी को कानून बना दिया जाए, तो सरकार को हर फसल को तय दाम पर खरीदना होगा–चाहे बाजार में उसकी मांग हो या न हो। इससे सरकारी खजाने पर भारी बोझ पड़ेगा, गोदामों में अनाज सड़ेगा, और कृषि बाजार का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ जाएगा। इतना ही नहीं, इससे किसानों में नवाचार की भावना कम होगी–नई फसलें उगाने, तकनीक अपनाने या बाजार की जरूरतों के हिसाब से बदलने की प्रेरणा खत्म हो जाएगी। सरकार ने इन खतरों को बार-बार सामने रखा, इसे अव्यावहारिक बताया, लेकिन आंदोलनकारियों के कानों पर जूं तक न रेंगी। यह हठ क्या हासिल कर रहा था–किसानों का भला, या सिर्फ एक असंभव सपने की खोज?

इस पूरे प्रकरण में पंजाब सरकार की भूमिका भी कम दिलचस्प नहीं। जब किसान दिल्ली की सीमाओं पर डटे थे, तब सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) ने खुलकर उनका साथ दिया। उनके नेता धरना स्थलों पर पहुंचे, जोशीले भाषण दिए, और किसानों को ÷क्रांतिकारी÷ करार दिया। यह समर्थन तब तक चला, जब तक आंदोलन से अराजकता नहीं फैली। लेकिन जैसे ही सड़कों पर हिंसा भड़की, कानून-व्यवस्था पर सवाल उठे, और आम लोग परेशान होने लगे, वही सरकार पलटी। आंदोलनकारियों को हटाने का फैसला लिया गया–वह भी तब, जब नुकसान अपनी चरम सीमा पर पहुंच चुका था। यह क्या था–राजनीतिक अवसरवाद या मजबूरी? सच तो यह है कि पंजाब सरकार ने पहले आग को हवा दी, और फिर उसे बुझाने का नाटक किया। इस दोहरे रवैये ने आंदोलन को और उलझाया, समाधान को और दूर धकेल दिया।

किसान आंदोलन ने एक कड़वी सच्चाई सामने रखी–जब विरोध टकराव का रूप ले लेता है, तो वह अपनी आत्मा खो देता है। लोकतंत्र में असहमति का हक है, लेकिन वह अराजकता की सीमा को पार नहीं करना चाहिए। इस आंदोलन ने सड़कों को जाम किया, अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचाई, और समाज में दरारें पैदा कीं। लेकिन क्या यह सब जरूरी था? क्या संवाद से यह रास्ता नहीं निकल सकता था? सरकार को किसानों की असली तकलीफें सुननी होंगी–उनका डर, उनकी अनिश्चितता, उनकी उम्मीदें। इसके लिए उसे नीतियों में पारदर्शिता लानी होगी, भरोसा जीतना होगा। दूसरी ओर, किसानों को भी हठ छोड़ना होगा। यह समझना होगा कि हर मांग का कानूनी जवाब संभव नहीं, और हर जिद हल नहीं लाती। दोनों पक्षों को अपने-अपने किलों से बाहर निकलकर संवाद की मेज पर बैठना होगा। टकराव से सिर्फ नुकसान होता है–चाहे वह किसानों का हो, सरकार का हो, या पूरे देश का।

कृषि सुधार भारत जैसे देश के लिए अनिवार्य हैं। खेती को आधुनिक बनाना, किसानों को सशक्त करना, और अर्थव्यवस्था को गति देना समय की मांग है। लेकिन यह तभी मुमकिन होगा, जब सरकार और किसान मिलकर काम करें। सरकार को चाहिए कि वह किसानों के साथ संवेदनशीलता से पेश आए–उनकी आशंकाओं को दूर करे, उनकी बात सुने, और व्यावहारिक समाधान पेश करे। किसानों को भी चाहिए कि वे अड़ियल रुख छोड़ें और बदलते वक्त के साथ कदम मिलाएं। यह आंदोलन तभी सार्थक होगा, जब हठधर्मिता की जगह संवाद ले, और टकराव की जगह सहयोग ले। किसान आंदोलन हमें एक गहरा सबक देता है–लोकतंत्र में संवाद ही वह सेतु है, जो टूटी उम्मीदों को जोड़ सकता है। जब आंदोलन अपनी राह से भटककर हठ की आग में जलने लगता है, तो वह न सिर्फ अपने मकसद को खो देता है, बल्कि समाज को भी घायल करता है। क्या हम इस सबक को सीखेंगे? क्या सरकार और किसान मिलकर एक नई शुरुआत करेंगे? या फिर यह आग और भड़केगी, और सब कुछ जलाकर राख कर देगी? जवाब हमारे हाथ में है–संवाद चुनें, या हठ की कीमत चुकाएं।

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

संपादकीय

क्रूरता हैवानियत की मिसाल बनी एक कलियुगी नशेड़ी पत्नी!

प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की बेरहमी से हत्या करने वाली मुस्कान ने बिल्कुल एक सस्पेंस फिल्म की तरह थ्रिलर क्राइम को अंजाम दिया और पति के परिवार जनों को ही पति की हत्या करने का आरोप लगाते हुए अपने बचाव की कोशिश की लेकिन इस दौरान अपनी बेटी के पिता के प्रति प्यार के सामने बेबस हो गई । बेटी के पापा के पास जाने की जिद पर मुस्कान रोने लगी थी। तभी अपनी बेटी के स्वभाव से परिचित मां ने जब मुस्कान को हकीकत जानने के लिए उसे साथ देने का भरोसा दिलाया तो उसने अपने दोस्त आशिक के साथ मिलकर पति की हत्या करने का सच उगल दिया। इसे सुनने के बाद उसके माता-पिता के पैरो तले की जमीन खिसक गई। वे उसे लेकर थाने पहुंचे। इस तरह मर्चेंट नेवी अधिकारी सौरभ कुमार सिंह की हत्या का सच दुनिया के सामने आया। आपको बता दें कि मेरठ की मुस्कान ने सौरभ से प्यार किया, 2016 में शादी की, एक बेटी को जन्म दिया लेकिन फिर उसी प्यार का कत्ल करने की ऐसी खौफनाक साजिश भी रच डाली कि पुलिस अधिकारी भी सन्न रह गए . घर के अंदर चाकू चले, खून बहा, शरीर के टुकड़े किए गए, प्लास्टिक के ड्रम में रख दिया और फिर उस पर सीमेंट डाल दिया, ताकि किसी को शक न हो. मुस्कान ने घर पर ताला लगाकर लोगों को बता दिया कि वह पति के साथ घूमने जा रही है. लेकिन जुर्म का राज ज्यादा दिनों तक छुप नहीं सका. एक कबूलनामा और फिर पुलिस की दस्तक के साथ वह खौफनाक राज बाहर आ गया, जिसने पूरे मेरठ को हिलाकर रख दिया.साल 2015 में सौरभ और मुस्कान की मुलाकात हुई थी. प्यार हुआ और 2016 में दोनों ने शादी कर ली. दोनों की जिंदगी में खुशियां थीं, एक प्यारी-सी बेटी भी थी, जो इस वक्त दूसरी कक्षा में पढ़ रही है. सौरभ मर्चेंट नेवी में अफसर थे और लंबे समय तक समुद्र में रहने के कारण, मुस्कान अकेले मेरठ में बेटी के साथ किराए के मकान में रहती थी.वक्त बदला और 2019 में मुस्कान के जीवन में साहिल की एंट्री हुई, जो उसी मोहल्ले में रहता था. शुरुआत में दोनों के बीच दोस्ती थी, लेकिन यह दोस्ती धीरे-धीरे खतरनाक मोहब्बत में बदल गई. साहिल अब मुस्कान की जिंदगी का हिस्सा बन चुका था, और सौरभ की गैरमौजूदगी में उनके घर का भी

मुस्कान का जन्मदिन 25 फरवरी को था. वह इसे खास बनाने की तैयारी कर रही थी, लेकिन इस बार एक और चीज तय थी. सौरभ की हत्या. सौरभ लंदन से मेरठ लौटा था, लेकिन उसे क्या पता था कि यह उसकी आखिरी यात्रा होगी. इस खौफनाक साजिश को अंजाम देने के लिए मुस्कान और साहिल ने मिलकर योजना बनाई।

4 मार्च की रात जैसे ही सौरभ घर में सोने गया, मुस्कान ने इशारा किया और साहिल ने चाकू से उसके ऊपर हमला कर दिया.सौरभ पूरी ताकत से लड़ने की कोशिश कर रहा था, लेकिन मोहब्बत में अंधी हो चुकी मुस्कान ने उसे बचाने की कोशिश तक नहीं की. वह बेबस देखता रहा कि कैसे उसकी पत्नी और उसका प्रेमी उसकी ही जान के दुश्मन बन चुके हैं. कुछ ही मिनटों में सौरभ की सांसें थम गईं। मुस्कान ने मोहल्ले में यह अफवाह फैला दी कि वह और सौरभ हिमाचल घूमने जा रहे हैं. इसके बाद उसने घर का ताला लगा दिया ताकि किसी को शक न हो.इसके बाद साहिल और मुस्कान ने मिलकर एक प्लास्टिक का ड्रम खरीदा. उन्होंने सौरभ के शव के टुकड़े किए और ड्रम में भर दिए. फिर इसमें सीमेंट डालकर उसे ठोस कब्र में बदल दिया ताकि किसी को शक न हो.

आप को बता देंसौरभ की हत्या के बाद मुस्कान और साहिल ने मनाली में तीन दिन तक रहे. बताया जा रहा है वहां दोनों में हनीमून मनाया. होटल के कमरे में वह सोशल मीडिया पर तस्वीरें डालती रही, जैसे उसकी जिंदगी में सब कुछ ठीक हो. लेकिन उसकी यह खुशी ज्यादा दिन नहीं टिकने वाली थी। मुस्कान को लगा था कि वह अपनी खौफनाक साजिश को छुपा लेगी, लेकिन एक गलती ने उसे बेनकाब कर दिया. उसने यह पूरा घटनाक्रम अपनी मां को बता दिया. शायद उसने सोचा कि मां उसे बचा लेगी, लेकिन मां ने पुलिस को फोन कर दिया. पुलिस ने जब मुस्कान से पूछताछ की, तो पहले वह घबराई, फिर झूठ पर झूठ बोलती गई. लेकिन जैसे ही साहिल से पूछताछ की गई, वह टूट गया और उसने पूरी कहानी उगल दी।

जब पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे में बंद पड़े ड्रम को खोला, तो दो घंटे की मशक्कत के बाद भी वह नहीं खुल सका. ठोस सीमेंट ने लाश को बुरी तरह से जकड़ लिया था. पुलिस ने ड्रम को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भिजवाया, जहां उसे काटकर शव को बाहर निकाला गया. जैसे ही यह खबर फैली, पूरे इलाके में सनसनी फैल गई.मेरठ के एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि सौरभ राजपूत 4 मार्च को मेरठ आए थे. तभी उनकी हत्या कर दी गई. उनकी पत्नी मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल ने मिलकर उन्हें मारा और लाश को ड्रम में छुपा दिया. हमने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है और उनके खिलाफ हत्या और साजिश रचने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मुस्कान के परिवार वालो के अनुसार सौरभ की हत्या को लेकर मुस्कान पहले गुमराह करती रही। वह सौरभ की हत्या करने के बाद अपने प्रेमी के साथ टूर पर चली गई थी। 13 दिन बाद वह घर लौटी। मुस्कान की बेटी पीहू बार-बार पापा के पास जाने की जिद कर रही थी। बेटी को पापा के लिए तड़पता देख मुस्कान रोने लगी। मुस्कान को रोते देख मां कविता रस्तोगी ने पूछा तो उसने यह कहते हुए गुमराह करना चाहा कि सौरभ मुझसे तलाक लेना चाहता था, इसलिए उसके परिवार ने उसकी हत्या कर दी है, लेकिन कविता अपनी बेटी के स्वाभाव को समझती थी।सच जानने के लिए कविता और प्रमोद रस्तोगी ने मुस्कान को भरोसा दिलाया कि वह उसका हर हाल में साथ देंगे। इस पर मुस्कान टूट गई, उसने बताया कि साहिल के साथ मिलकर उसने सौरभ को मार दिया है। इसके बाद दंपती के पैरों तले से मानो जमीन खिसक गई, तभी मुस्कान को लेकर थाने पहुंच गए। पुलिस ने उनकी कहानी सुनकर साहिल को गिरफ्तार कर लिया, उसके बाद सौरभ की हत्या का खुलासा हो गया। पुलिस ने दोनो को बुधवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

हत्या की यह बेहद क्रूरता अमानवीयता भरी वारदात सभ्य समाज के लिए चिंता जनक है वहीं समाज में नशे के दुष्प्रभाव और पारिवारिक सामाजिक मूल्यों के पतन तथा विवाहेत्तर संबंधो के दुष्परिणाम दैहिक भोग वासना की स्वछंदता के चलन से पैदा हो रही समस्याओं वैवाहिक संबंधों में दरार को बयान करती है। यह समाज के पतन की ओर इशारा करती है। समाज में लोकलाज का भय समाप्त होना रोक टोक हस्तक्षेप के खत्म होने का भी नकारातमक प्रभाव है।

मनोज कुमार अग्रवाल

मिश्रा जी को मानसिक चिकत्सा की जरूरत

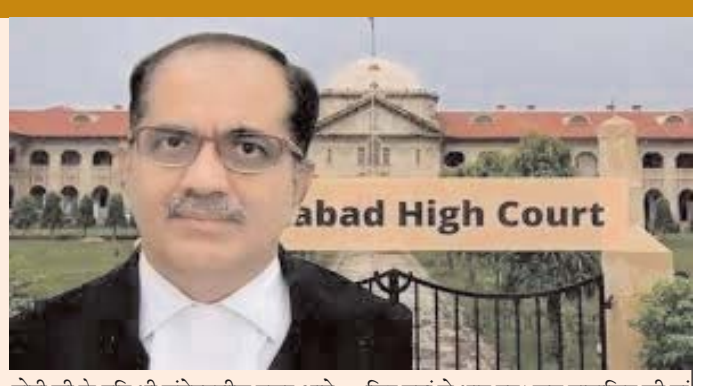

मुमकिन है कि कोई नासमझ आज के इस आलेख को पढ़ने के बाद मेरे ऊपर अदालत की मानहानि का मामला बनाने की सोचे,लेकिन मेरा इरादा माननीय अदालतों का मान बनाये रखने का है और इसीलिए मै पूरी जिम्मेदारी से लिख रहा हूँ कि इलाहबाद उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश राम मनोहर मिश्रा को मानसिक चिकित्सा उपलब्ध कराई जाये ,वो भी सरकारी खर्चे पर। मिश्रा जी ने हाल ही में बलात्कार के एक मामले में कहा है कि -%कहा कि %स्तन छूना और पायजामा का नाड़ा तोड़ना रेप नहीं है।

माननीय मिश्रा जी अनाड़ी नहीं हैं। उनके पास न्यायिक सेवा का लंबा अनुभव है। 6 नवंबर 1964 को जन्में जस्टिस राम मनोहर मिश्र ने 1985 में विधि स्नातक की पढ़ाई पूरी की. फिर 1987 में उन्होंने विधि स्नातकोत्तर किया। मिश्रा जी वर्ष 1990 में मुंसिफ के रूप में उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा में शामिल हुए। डेढ़ दशक बाद 2005 में उच्चतर न्यायिक सेवा में इनका प्रमोशन हुआ। चार साल बाद 2019 में जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में नियुक्त हुए। यहां पर प्रमोशन से पहले इन्होंने बागपत, अलीगढ़ जिलों में सर्विस की. साथ ही इन्होंने जेटीआरआई के निदेशक और लखनऊ में जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में भी कार्य किया।

मुझे पूरा यकीन है कि मिश्रा जी ने कानूनी दायरे में ही अहम टिप्पणी की होगी। उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति किसी युवती का जबरन स्तन पकड़ता है या पायजामे का नाड़ा तोड़ता है, तो यह रेप की श्रेणी में नहीं आएगा। यानी ऐसे मामले में धारा 376 के तहत आरोप तय नहीं किया जा सकता। हालांकि, यह गंभीर यौन अपराध माना जाएगा और धारा 354-बी के तहत आरोपी को सजा दी जाएगी।मिश्रा जी अपनी जगह पूरी तरह सही भी हो सकते हैं ,लेकिन जिस पीड़िता के साथजो अपराध हुआ वो और इस देश की तमाम जनता मिश्रा जी की टिप्पणी से न तो मुतमईन हैं और न इसे स्वीकार कर सकते हैं।

मिश्रा जी ने सिर्फ टिप्पणी ही नहीं की बल्कि अपनी विद्वता प्रमाणित करते हुए ये भी कहा कि रेप की कोशिश और अपराध की तैयारी के बीच का अंतर समझना जरूरी है। किसी घटना को किस धारा के तहत रखा जाएगा, यह घटना की प्रकृति और उसके इरादे पर निर्भर करता है। कासगंज के एक मामले में यह टिप्पणी करते हुए हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि कानून को सही तरीके से समझना और लागू करना आवश्यक है। दरअसल मिश्रा जी की महिलाओं के प्रति मानसिकता को समझना आसान नहीं है क्योंकि जहां वे एक तरफ एक विवादास्पद फैसला सुनाते हैं वहीं पूर्व में 2023 में, रेप के एक मामले की सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा कि पीड़िता को सह-अपराधी मानना पूरी तरह गलत है। ऐसी बातें महिला के सम्मान के खिलाफ हैं और समाज में गलत संदेश देती हैं। 2024 में, एक महिला के गुजारे भत्ते से जुड़े मामले में सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा कि मिडिल क्लास परिवार की महिला के लिए 2500 रुपये में गुजारा करना बहुत मुश्किल है। इसलिए, भत्ते की राशि को बढ़ाकर 5000 रुपये प्रति माह किया जाना चाहिए।

अब ये तो मिश्रा जी ही बता सकते हैं कि कोई अपराधी या आरोपी किसी महिला के स्तन को किस इरादे से स्पर्श करता है या उसके पायजामे का नाडा तोड़ता है ? लेकिन आम आदमी को तो यही समझता है कि आरोपी की नीयत में खोट के अलावा और कुछ हो ही नहीं सकता। मुमकिन है कि पक्षकार इस फैसले के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय की शरण ले,मुमकिन है कि समर्थ न होने पर अपमान का घूँट पीकर घर बैठ जाये ,लेकिन ये बहस तो मिश्रा जी ने शुरू कर ही दी है कि उनका फैसला भारतीय समाज के मूल्यों के विपरीत है भले ही वो क़ानून के हिसाब से सौ फीसदी सही हो। पिछले कुछ वर्षों में मश्रा जी की ही नहीं बल्कि पूरी न्यायपालिका की दृष्टि में अन्तर आया है। हमारी न्यायपालोका की आँखों से पट्टी क्या हटी अब वो धार्मिक हो गयी है । खुद मिश्रा जी ने मार्च 2024 में, जस्टिस मिश्र की अध्यक्षता वाली हाईकोर्ट की बेंच ने एक निचली अदालत के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तुलना यूनानी दार्शनिक प्लेटो की अवधारणा से की गई थी। निचली अदालत ने कहा था कि जब कोई धार्मिक व्यक्ति सत्ता में होता है, तो शासन के अच्छे परिणाम सामने आते हैं। जस्टिस मिश्र ने इस टिप्पणी को हटाने का आदेश दिया। यानि मिश्रा जी मिलाओं के प्रति ही नहीं बल्कि योगी जी के प्रति भी संवेदनशील नजर आते हैं मिश्रा जी की टिप्पणी के बारे में अकेला मै ही नुक्ताचीनी करता तो आप मुझे सिरफिरा कह सकते थे ,लेकिन लखनऊ विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति और सामाजिक कार्यकर्ता रूपरेखा वर्मा का कहना है, %%कम से कम यह कहा जा सकता है कि यह निर्णय निराशाजनक, अपमानजनक और शर्मनाक है. महिला की सुरक्षा और गरिमा के मामले में तैयारी और प्रयास के बीच का सूक्ष्म अंतर बहुत ही अकादमिक है."पेशे से वकील सायमा ख़ान कहती हैं, "भारतीय क़ानून में किसी भी आपराधिक प्रयास को पूर्ण अपराध की श्रेणी में ही देखा जाता है, बशर्ते कि इरादा स्पष्ट हो और अपराध की दिशा में ठोस कदम उठाया गया हो. पायजामी की डोरी तोड़ना या शरीर को जबरन छूना साफ तौर पर बलात्कार के प्रयास की श्रेणी में आ सकता है, क्योंकि इसका मकसद पीड़िता की शारीरिक स्वायत्तता का उल्लंघन करना है.'।

आपको बता दें की पीड़ित लड़की की मां ने आरोप लगाया था कि 10 नंवबर 2021 को शाम पांच बजे जब वो अपनी 14 वर्षीय बेटी के साथ देवरानी के गांव से लौट रही थी तो अभियुक्त पवन, आकाश और अशोक मोटरसाइकिल पर उन्हें रास्ते में मिले। मां का कहना था कि पवन ने उनकी बेटी को घर छोड़ने का भरोसा दिलाया और इसी विश्वास के तहत उन्होंने अपनी बेटी को जाने दिया। लेकिन रास्ते में मोटरसाइकिल रोककर इन तीनों लोगों ने लड़की से बदतमीज़ी की और उसके प्राइवेट पार्ट्स को छुआ. उसे पुल के नीचे घसीटा और उसके पायजामी का नाड़ा तोड़ दिया। लेकिन तभी वहां से ट्रैक्टर से गुजर रहे दो व्यक्तियों सतीश और भूरे ने लड़की का रोना सुना. अभियुक्तों ने उन्हें तमंचा दिखाया और फिर वहां से भाग गए। जब नाबालिग की मां ने पवन के पिता अशोक से शिकायत की तो उन्हें जान की धमकी दी गई जिसके बाद वे थाने गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई.

ये मामला कासगंज की विशेष कोर्ट में पहुंचा जहां पवन और आकाश पर आईपीसी की धारा 376 (बलात्कार), पॉक्सो एक्ट की धारा 18 (अपराध करने का प्रयास) और अशोक के ख़िलाफ़ धारा 504 और 506 लगाई गई। इस मामले में सतीश और भूरे गवाह बने, लेकिन इस मामले को अभियुक्तों की तरफ से इलाहाबाद हाई कोर्ट में चुनौती दी गयी। इस मामले में जस्टिस मिश्रा लकीर के फकीर बन गए। हालांकि ये मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के अमल में आने से पहले का है. इसलिए फ़ैसला आईपीसी की धारा 376 के तहत दिया गया है और इसके प्रावधान अलग हैं। धारा 375 बलात्कार को परिभाषित करती है जिसके मुताबिक जब तक मुंह, या प्राइवेट पार्ट्स मे लिंग या किसी वस्तु का प्रवेश ना हो, वो बलात्कार की श्रेणी में नहीं आता है.जस्टिस मिश्रा ने इस केस में साफ किया कि सेक्शन 376, 511 आईपीसी या 376 आईपीसी और पॉक्सो एक्ट के सेक्शन 18 का मामला नहीं बनता है। न्यायमूर्ति मिश्रा को अभी बहुत दिनों तक काम करना है ,इसलिए जरूरी है कि एक बार उनसे ऊपर की अदालत उनके और उनके फैसलों के बारे में समीक्षा जरूर करे ,अन्यथा इस तरह के लज्जास्पद फैसलों की वजह से न्यायपालिका के प्रति आम जनता का विश्वास डिग जाएगा यदि ऐसा होता है तो ये हमारी न्यायव्यवस्था के लिए एक गंभीर चुनौती बन सकती है। क्या आप मिश्रा जी की टिप्पणी से सहमत हैं?

राकेश अचल

कला-संस्कृति में धनी बिहार

बिहार इतिहास के पन्नो का वह अमिट नाम है, जिसने सभ्यता की शुरुआत से ही अपनी गौरव की कहानी गढ़ी है। बिहार नाम मूल रूप से 'बिहार' शब्द से लिया गया है, जो एक संस्कृत शब्द है। जिसका अर्थ है 'निवास' या 'विश्राम'। ऐसा माना जाता है कि यह स्थान बौद्धों और जैनों के ठहरने की जगह थी। बिहार में विक्रमशिला, ओदंतपुरी और नालन्दा जैसे कई प्रसिद्ध बौद्ध मठ एवं बिहार थे। बिहार की कला की संस्कृति एक समृद्ध और विविधतापूर्ण संस्कृति है, इसकी मिट्टी में भोजपुरी, मैथिली, मगही और अंग संस्कृति की मिश्रित सुगंध है। बिहार की कला की बात करें, तो यह रंग-बिरंगी परम्पराओ और रीति रिवाज़ों का मेल है। जिसमें कुछ प्रमुख कला शैलियां इस प्रकार है-

पटना कलम

यह एक विशिष्ट भारतीय चित्र कला शैली है। जिसका विकास में हुआ है। इसे मुगल कला से प्रभावित मना जाता है और ये आज भी जिंदा है। पटना कलम ने अपनी कला में आम जनजीवन को महत्व दिया है। इसमें चौक बाजार, मंदिर, गांव की महिलाएं, स्कूल जाते हुए बच्चे, छठ पूजा, हलवाई जैसे अनेक रोज दिन के दिनचर्चाओं को सुंदर तरीके से दिखाया गया है। इसमें लघुचित्रों को बड़ी सावधानी से बनाया जाता है। इस कला के ज़रिए हमें पटना और बिहार के लोगों के त्योहारों, संस्कृति और जीवन की झलक मिलती है।

मंजूषा कला

मंजूषा कला भागलपुर जिले की एक अद्भुत कला है। यह एक ऐसी कला है, जिसमें कहानी को क्रमिक श्रृंखला बंध सुंदर तरीके से चित्रित किया जाता है। कहा जाता है कि इस कला का प्रमाण सिंधु घाटी से भी मिलता है। मंजूषा कलाबिहुला - विषहरीकी लोकगाथा पर आधारित है 7 इस कला में हिंदू देवी-देवताओं के अलावा सांप, फूल, सूर्य, चंद्रमा आदि के चित्र सूंदर तरीके से उकेरे जाते है।

बावन बूटी कला

यह एक तरह की बुनकर कला है, जो बिहार के नालंदा और गया जिले की पारंपरिक कला है। इसमें साड़ी, शॉल और सूती कपड़ों पर 52 विशिष्ट रूपों को बनाया जाता है, जो बौद्ध धर्म के प्रतीकों से जुड़े है। बावन बुटी साड़ियां सिर्फ भारत मे ही नही बल्कि विदेशों तक प्रसिद्ध थी।

वेणु शिल्प

वेणु शिल्प एक प्राचीन कला है। जिसका सम्बंध सम्राट अशोक के समय से माना जाता हैं। यह पटना और समस्तीपुर सहित बिहार के कई जिलों का शिल्प उद्योग है। इस कला में बाँस को छीलकर और काटकर तरह-तरह की कलात्मक चीजे बनाई जाती है। इस तरह की बनाई चीजे खादी मेले या दुकानों में देखने को आसानी से मिल जाते है। यह कला अब व्यवसाय क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। इसमें बांस की कुर्सी-टेबल से लेकर टोकरियाँ और सजावटी वस्तएं भी बनाई जाती हैं।

पेपर मेसी कला

इस कला को मिथला की संस्कृति से जुड़ा प्राचीन कला माना गया है। इसमें कागज की लुगदी बना कर अनेको तरह की चीजें तैयार कि जाती हैं। जैसे- मुखौटे, खिलौने और सजावटी समान आदि।

सिक्की कला

सिक्की कला भी एक प्राचीन कला है। इसका विकास मिथलांचल के साथ-साथ बिहार के अन्य जिलों में भी हुआ। यह एक सुंदर हस्तशिल्प कला है, जिसमे बिहार के समृद्ध संस्कृति की झलक मिलती है। इस कला में सिक्की नाम के घास का प्रयोग किया जाता हैं और रंग-बिरंगे टोकरियाँ, चटाई, पंखे, आभूषण, सजावटी समान और खौलने बनाये जाते है। सिक्की घांस से निर्मित वस्तुएँ 100 वर्ष तक खराब नही होती है।

सुजनी कला

सुजनी कढ़ाई कला बिहार के ग्रामीण क्षेत्र के प्रसिद्ध पारंपरिक कला है। इसमें साड़ी और कपड़े को टुकड़े को सिलकर कलात्मक कढ़ाई की जाती है। सुजनी कढ़ाई को जीआई टैग भी प्राप्त है।

टेरा कोटा शिल्प

यह एक प्राचीन कला है, जो देश के सभी हिस्सों में है। इसमें मिट्टी के बर्तन, मूर्तियां और वस्तएं बनाई जाती है। बिहार में टेरा कोटा शिल्प की शुरुवात मौर्य काल से मानी जाती है। इसमें राम-रस और गेरूआ मिट्टी का प्रयोग होता हैं और रंगों से सजाया जाता है।

मधुबनी कला

बिहार की मधुबनी चित्रकला ने समूचे विश्व में ख्याति पाई हैं। कहा जाता है कि इस कला की शरुवात मिथिला के राजा जनक ने की थी। यह मिथला क्षेत्र दरभंगा और मधुबनी के साथ ही नेपाल की भी विशिष्ट कला है। इस कला में चटकीले और विषम रंगों के साथ हर तरह के दृश्य को सुंदर तरीके से दिखाया जाता है। मधुबनी पेंटिंग का प्रयोग साड़ी, कपड़ों से दीवारों और वस्तुओं की सजावट तक में किया जाता हैं। किसी भी देश या राज्य की सांस्कृतिक पहचान, उसकी समृद्ध कला से होती है और बिहार इसमें धनी है।

अम्बिका कुशवाहा 'अम्बी'

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**–उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। **R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 –9511151254,**E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त ख़बरें

जहन्नुम से आजादी का है आखिरी अशरा-तकरीर -

बिसवां (सीतापुर)। रमजानुल मुबारक का आखिरी अशरा जहन्नुम से आजादी का है। इसी अशरे में दस रोज का ऐतफाक करने का अमल भी है। असल में ऐतफाक की हकीकत यह है कि बंदा हर तरफ से एक सू (एकाग्रचित्त) होकर मस्जिद में रहे। खुदा की इबादत और उसके जिक्र-फिक्र में लगा रहे। ऐतफाक में कोई खास इबादत शर्त नहीं है। नमाज तिलावते कलाम पाक दीनी किताबों का

पढ़ना या अल्लाह का जिक्र करना ,गरज जो इबादत जी चाहे करता रहे। इसी आखिरी अशरा की रातों में एक रात शब-ए-कद्र की आती है। इसमें इबादत करने का सवाब एक हजार महीने तक इबादत करने के सवाब से ज्यादा मिलता है।इस रात में हजरत जिब्रील अलैहिस्सलाम फरिश्तों की एक जमात के साथ तशरीफ लाते हैं और जिस बंदे को इबादत में मशगूल पाते हैं उसके लिए दुआ करते हैं। फरिश्ते आमीन कहते हैं।

इसी आखिर अशरा में आखिरी जुमा को अलविदा कहा जाता है जिसका लोग बहुत एहतिमाम करते हैं। अपने कस्बे और शहर की जामा मस्जिद में अलविदा की नमाज अदा करनी चाहिए।यह बातें कस्बा के मदरसा इस्लामिया कंजुल उलूम के हेडमास्टर मौलाना हाजी नफीसुल हक मजाहिरी ने एक तकरीर में कहीं।

जनपद स्तरीय सुलेख प्रतियोगिता जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान खैराबाद, सीतापुर में सफलतापूर्वक संपन्न

सीतापुर, 21 फरवरी 2025 जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान खैराबाद, सीतापुर में जनपद स्तरीय सुलेख प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में जनपद के 20 विकासखंडों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उच्च प्राथमिक/कम्पोजिट विद्यालय स्तर पर विजेता, संतोषी तिवारी (कम्पोजिट विद्यालय, नेकपुर, महोली) - प्रथम स्थान, मुक्ति (उच्च प्राथमिक विद्यालय, नेरिया परसिया, लहरपुर) - द्वितीय स्थान, रौंजी महबूब (उच्च प्राथमिक विद्यालय, रहीमाबाद, खैराबाद) - तृतीय स्थान, नेहा (प्राथमिक विद्यालय, सुहोली, गोंदलामऊ) - चतुर्थ स्थान, शिक्षा (प्राथमिक विद्यालय, सोहई, एलिया) - पंचम स्थान प्राथमिक विद्यालय/कम्पोजिट विद्यालय स्तर पर विजेता, प्रांजल सिंह (प्राथमिक विद्यालय, उदयपुर, ऐलिया) - प्रथम स्थान, नेहा (प्राथमिक विद्यालय, बनगढ़, गोंदलामऊ) - द्वितीय स्थान, शोभित (प्राथमिक विद्यालय, लालपुर, भेलावा, मछरेहटा) - तृतीय स्थान, मृदुल सिंह (प्राथमिक विद्यालय, टकेला, लहरपुर) - चतुर्थ स्थान. आराध्या (प्राथमिक विद्यालय, कैथा, गाजीपुर, महोली) - पंचम स्थान कार्यक्रम की नोडल अधिकारी स्नेहलता वर्मा ने प्रतियोगिता का सफल संचालन किया। इस अवसर पर डॉ. रश्मि सिरोही, डॉ. मीनाक्षी शर्मा, श्री शाह खालिद सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में विजयी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए। निर्णायकों ने बच्चों की सुलेख कला की सराहना करते हुए इसे भाषा विकास का महत्वपूर्ण आधार बताया।

कांग्रेस में इतिहास पहली बार महिला बनी जिलाध्यक्ष, शहर अध्यक्ष की जिम्मेदारी शिशिर बाजपेई को

सीतापुर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सीतापुर में एक बड़ा बदलाव किया है पार्टी ने पहली बार किसी महिला को जिले की कमान सौंपी है ममता वर्मा को जिलाध्यक्ष और शिशिर बाजपेई को शहर अध्यक्ष बनाया गया है यह नियुक्तियां रविवार देर रात की गई यूपी के सभी 75 जिलों में जिला अध्यक्षों और शहर अध्यक्षों की घोषणा की गई इस फैसले के बाद कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया पर नए नेतृत्व

को बधाइयां देना शुरू कर दिया। करीब एक महीने पहले यूपी कांग्रेस कमेटी को भंग कर दिया गया था तब से कार्यकर्ता नई नियुक्तियों का इंतजार कर रहे थे। पार्टी ने पूर्व जिलाध्यक्ष उत्कर्ष अवस्थी की जगह ममता वर्मा को यह जिम्मेदारी दी है ममता वर्मा 2022 में कांग्रेस में शामिल हुई थीं उन्होंने हरगांव विधानसभा से चुनाव लड़ा था हालांकि उन्हें इस चुनाव में सफलता नहीं मिली थी अब पार्टी ने उन पर भरोसा जताते हुए जिले की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है!!

शेरपुर लवल गांव में चकबंदी को लेकर भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक गुट के जिलाध्यक्ष ने चकबंदी आयुक्त से की मुलाकात

..... भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक गुट के जिलाध्यक्ष राजेश रावत की अगुवाई में चकबंदी आयुक्त से मिला प्रतिनिधिमंडल। ..... मोहनलालगंज तहसील के शेरपुर लवल गांव में चकबंदी की भूमि भूमाफियाओं से मुक्त कराने को लेकर दिया शिकायती पत्र ।

स्वतंत्र प्रभात

विनीत कुमार मिश्रा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक ने जिला चकबन्दी अधिकारी के कार्यालय पर धरना चल रहा था जिसको लेकर जिलाधिकारी लखनऊ श्री विशाख जी से वार्ता के बाद यह तय हुआ कि चकबन्दी आयुक्त उ0प्र0 से वार्ता कर समस्या का निस्तारण कराया जाय। अप्रैल माह में शेरपुर लवल के अवैध कब्जेदारों के अवैध निर्माण को हटाया जाय। बुलडोजर कार्यवाही के आश्वासन पर किसानों ने धरना समाप्त किया। शुक्रवार को दोपहर करीब 12 बजे सवा घंटा चकबन्दी आयुक्त उ0प्र0 श्री भानूचन्द्र गोस्वामी से 9 सदस्यीय किसान प्रतिनिधि मण्डल हरिनाम सिंह वर्मा प्रदेश अध्यक्ष भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक, मण्डल अध्यक्ष अनार सिंह अन्नू, जिलाध्यक्ष राजेश रावत, नगर अध्यक्ष इमरान इदरीशी, जिला उपाध्यक्ष मनोज पटेल, पीड़ित किसान व ग्राम प्रधान शेरपुर लवल, तहसील मोहनलालगंज के चकबन्दी विषय को लेकर 17 मार्च से धरना जिला चकबन्दी अधिकारी के कार्यालय पर चल रहा था जिसको लेकर जिलाधिकारी लखनऊ श्री विशाख जी से वार्ता के बाद यह तय हुआ कि चकबन्दी आयुक्त उ0प्र0 से वार्ता कर समस्या का निस्तारण कराया जाय। शुक्रवार को वार्ता के दौरान चकबन्दी आयुक्त के सख्त निर्देश आज दिनांक से सम्पूर्ण अप्रैल माह में शेरपुर लवल के अवैध कब्जेदारों के अवैध निर्माण को हटाया जाय। बुलडोजर कार्यवाही भी की जायेगी। अप्रैल माह 2025 तक अवैध शेरपुर लवल में भूमाफियाओं से जमीन न खाली करायी गयी तो शेरपुर लवल में चकबन्दी नहीं होगी, जिसके लिखित आदेश चकबन्दी आयुक्त के निर्देश के बाद बन्दोबस्त अधिकारी ने पत्र जारी किया, तब तक के लिए शुक्रवार को धरना समाप्त किया गया। अप्रैल माह के बाद 15 मई को भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की तीसरी वर्ष गांठ के बाद चकबन्दी आयुक्त का घेराव की तिथि 15 मई को घोषित कर दी जायेगी, जिसके सम्पूर्ण प्रदेश चकबन्दी समस्याओं के समाधान तक चकबन्दी आयुक्त कार्यालय बन्द कर दिया जायेगा।

भारतीय किसान यूनियन धर्मेन्द्र गुट के जिलाध्यक्ष ने एसडीएम को सौंपा 20 सूत्रीय मांग पत्र

..... भारतीय किसान यूनियन धर्मेन्द्र गुट के जिलाध्यक्ष गिरीश द्विवेदी ने एसडीएम मोहनलालगंज बृजेश वर्मा को सौंपा मांग पत्र।

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की मोहनलालगंज तहसील में शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन (धर्मेन्द्र) गुट के जिलाध्यक्ष गिरीश द्विवेदी एवं महिला जिलाध्यक्ष संगीता रावत की अगुवाई में एसडीएम बृजेश वर्मा को 20 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। जिलाध्यक्ष गिरीश द्विवेदी ने बताया कि मोहनलाल गंज के अंतर्गत आने वाली ग्राम सभा कमलापुर वाली कच्ची रास्ता की इंटरलॉकिंग,सरकारी स्कूलों की बाउंड्री, गोशाला ,ग्राम सभाओं में जल जीवन मिशन द्वारा तोड़ी गयी सड़के , आदि मांगो को लेकर 7 अप्रैल को प्रातः 11 बजे तहसील मोहनलालगंज तहसील में धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

अभाविप बिसवां ने सौंपा 7 सूत्रीय ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात

बिसवां सीतापुर अभाविप बिसवां जिले के 7 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने बिसवां के तहसीलदार उमाशंकर त्रिपाठी से भेट कर उन्हें बिस्वा में विद्यार्थियों को हो रही समस्याओं के संबंध में उपजिलाधिकारी को संबोधित 7 सूत्रीय ज्ञापन देकर समस्याओं से अवगत करवाया और शीघ्र ही निस्तारण की मांग की इसमें सामाजिक एवं शैक्षणिक क्षेत्र से जुड़े मुद्दों के समाधान की मांग की। अभाविप ने मांग की कि नवीन सत्र 2025-2026 में समस्त विद्यालयों में ह्ष्ष्त्रक्ष्ण पुस्तकों का ही संचालन हो। डग्गामार एवं बिना मानक के चल रहे वाहनों पर प्रतिबंध एवं समस्त विद्यालयों के वाहनों में अग्निशामक यंत्र की व्यवस्था की जाए। परिवहन विभाग द्वारा दूरी के अनुसार यात्रा शुल्क तय करके विद्यालयों को निर्देशित किया जाए जिससे वह मानक से अधिक शुल्क ना लें सकें। तहसील में चल रहे मानक विहीन विद्यालयों व बिना अनुमति के संचालित हो रहे कोचिंग संस्थान व लाइब्रेरियों पर उचित कार्यवाही की जाए। बिसवां नगर में अनेक प्रकार के मादक पदार्थों की बिक्री खुलेआम हो रही है जो कि युवाओं को गर्त की ओर ले जा रही है महोदय उन सभी दोषियों पर कार्यवाही की जाए जो इन मादक पदार्थों की

बिसवां में बिक्री कर और करवा रहें हैं। महोदय बिसवां ब्लॉक की ग्राम पंचायतों में संचालित लाइब्रेरी सिर्फ नाम मात्र है छात्रों की शिक्षा हेतु बनी लाइब्रेरी नाम मात्र है और कुछ स्थानों पर तो लाइब्रेरी है ही नहीं अतः ऐसी सभी ग्राम पंचायतों को चिन्हित कर दोषियों पर कार्यवाही की जाए। विद्यालयों के खुलने और बंद होने के समय भारी वाहनों के नगर में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया जाए और उनकी गति नियंत्रण के लिए विद्यालयों के समीप गति अवरोधक बनवाए जाएं। विभाग संयोजक अमन अवस्थी ने बताया कि शिक्षा विद्यार्थियों का अधिकार होता है और यदि विद्यार्थी शिक्षा से किसी कारणवश वंचित होते हैं वर्तमान में बिसवां नगर में जिस प्रकार नशीले पदार्थों की बिक्री हो रही है वह अत्यंत चिंताजनक है प्रशासन दोषियों को चिन्हित कर इस पर शीघ्र कार्यवाही करे। यदि 1 सप्ताह के अंदर उक्त विषयों पर कार्यवाही नहीं की गई तो अभाविप एक वृहद आंदोलन के लिए बाध्य होगी। प्रतिनिधि मंडल में प्रांत कार्यकारणी सदस्य दीपांशी मिश्रा,तहसील सह संयोजक आकाश बाजपेई,नगर मंत्री रेउसा हर्षित, नगर सह मंत्री मानपुर कृपा शंकर, नगर सह मंत्री बिसवां मुदित व पूर्व प्रांत कार्यकारणी सदस्य योगेंद्र कुमार की उपस्थित रही।

भजुमन राम चरन सुख दाई , की पंक्तियों ने श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

.....शिवाय सेवा समिति के संस्थापक सदस्य एवं सचिव रंजीत यादव उर्फ गुड्डू की अगुवाई में अनवरत 13 वर्षों से आयोजित हो रहा फाग महोत्सव

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ राजधानी लखनऊ की नगर पंचायत मोहनलालगंज के मऊ गांव में शुक्रवार को होली के शुभ अवसर पर 13 वें फाग महोत्सव का आयोजन किया गया । फाग महोत्सव के दौरान शीतल खेड़ा गांव की फगुवाहरों की टोली के गीत भजुमन राम चरन सुख दाई ..... की पंक्तियों से फाग महोत्सव में आए हुए श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया । फाग महोत्सव के आयोजनकर्ता शिवाय सेवा समिति के संस्थापक सदस्य एवं सचिव रंजीत यादव उर्फ गुड्डू ने बताया की होली के उपलक्ष्य में लगातार 13 वर्षों से अनवरत फाग महोत्सव आयोजित किया जा रहा है । होली के उपलक्ष्य में फाग महोत्सव के आयोजन से गांव की प्राचीन

प्रथा जीवंत होगी एवं इससे लोगों में आपसी भाई चारे का संदेश भी जाएगा । इस दौरान शिवाय सेवा समिति के अध्यक्ष आशीष चतुर्वेदी , उपाध्यक्ष अखिलेश शुक्ला , राहुल मिश्रा , मीडिया प्रभारी विनीत कुमार महामंत्री संदीप सैनी , मानस यादव एवं फाग की टोली में राजा खेड़ा निवासी श्रीराम , नन्हकऊ लोधी , हरि नाम साहू , पंचम ,गिरधारी सहित सैकड़ों ग्रामीणों की मौजूदगी रही ।

विश्व वानिकी दिवस प्रकृति संरक्षण के लिए ली गई शपथ

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर सामाजिक वानिकी वन प्रभाग के सीतापुर रेंज तथा सेक्रेड हार्ट डिग्री कॉलेज के सृष्टि नेचर व एडवेंचर क्लब के तत्वाधान में 21/3/2025 को विश्व वानिकी दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। प्रातकाल सेक्रेड हार्ट डिग्री कॉलेज नेपालापुर से नवगठित सृष्टि अर्थ राइडर्स के ÷स्नैक साइकिल क्लब÷ के सदस्यों ने साइकिल रैली निकाली जिसको प्राचार्य डॉ फादर प्रशांत,वन क्षेत्राधिकारी सुयश श्रीवास्तव,डिप्टी रेंजर मुशीर अहमद तथा सृष्टि नेचर क्लब की समन्वयक सुष्मिता श्रीवास्तव ने हरी झंडी दिखाकर बाल वनोद्यान इलसिया के लिए रवाना किया। साइकिल रैली का नेतृत्व डॉक्टर योगेश चंद्र दीक्षित ने किया। बाल वन उद्यान इलासिया पहुंचकर सामाजिक वानिकी विभाग सीतापुर के तत्वाधान में चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नेचर क्लब के सदस्यों ने वन उद्यान का भ्रमण करते हुए प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया तथा वृक्षों व पक्षियों के विभिन्न प्रजातियों के विषय में भी जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर शिवांगी श्रीवास्तव और डॉ मनोज धमेजा के निर्देशन में चित्रकारी तथा रिचा पांडे एवं सुष्मिता के नेतृत्व में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चित्रकारी में प्रथम स्थान

वर्तिका मिश्रा द्वितीय स्थान दीप्ति राठौर तथा तृतीय स्थान रिया शुक्ला को प्राप्त हुआ जबकि रंगोली में पहला स्थान प्रगति मिश्रा, कुमकुम पाल, आकांक्षा वर्मा दूसरा स्थान नंदिनी , आस्था शुक्ला, इशिका, इरम रहमान और तीसरा स्थान निधि, वैदेही गुप्ता, आरुषि मिश्रा, स्नेहा वैश्य के समूह को प्राप्त हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ फादर प्रशांत ने अपने संबोधन में बताया कि महाविद्यालय में सृष्टि नेचर क्लब की स्थापना का मुख्य उद्देश्य प्रकृति की संरक्षा सुरक्षा तथा सतत विकास के लिए नियंत्रित उपयोग करने के लिए आम जनमानस को प्रेरित करना है। इस अवसर पर उद्यान के प्रांगण में सफाई अभियान भी चलाया गया तथा वहां आने वाले आगतों को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता निर्धारण समिति के समन्वयक डॉक्टर योगेश चंद्र दीक्षित ,वन क्षेत्राधिकारी सुयश श्रीवास्तव के साथ विचार विमर्श कर भविष्य में संयुक्त रूप से प्रकृति संरक्षण, स्वच्छता आदि पर कार्य करने के लिए प्रतिबद्धता जाहिर की। इसी दिन पीडी चिल्ड्रन्स जूनियर हाई स्कूल में भी विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें अभिषेक रंजन पाण्डेय उप क्षेत्रीय वन अधिकारी, लक्ष्मी यादव वन दरोगा, सुनील कुमार राय वन रक्षक, दीप्ति शुक्ला वन रक्षक व दिनेश दीक्षित स्कूल प्रबंधक मौजूद रहे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राजंल कनौजिया द्वितीय स्थान शौर्य तिवारी तृतीय स्थान दिव्यांशी तिवारी को प्राप्त हुआ।

बृजमोहन लाल शकुंतला देवी इंटर कॉलेज मझिंगवा सीतापुर में एनएसएस विशेष शिविर का हुआ समापन

स्वतंत्र प्रभात

बिसवां, सीतापुर। बृजमोहन लाल शकुंतला देवी इंटर कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्रस्) के विशेष सात दिवसीय शिविर का भव्य समापन हुआ। इस शिविर के अंतर्गत स्वयंसेवकों द्वारा चयनित गांवों–मझिगवां सकरापुर, भुड़कड़ी, बन्नी खरैला, नसीरपुर, और करौदीपुर में पर्यावरण जन जागरूकता रैली निकाली गई। शिविर स्थल पंचायत भवन बन्नी में स्वयंसेवकों ने मध्यान्ह भोजन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर एल.पी.एल.डी. मेमोरियल एकेडमी, रघुनाथपुर ऐनी के प्रबंधक सुरेंद्र कांत मौर्य विशेष रूप से उपस्थित रहे। मुक्त मुख्य वक्ता के रूप में प्रवक्ता चंद्रशेखर प्रजापति ने सभी स्वयंसेविकों को संबोधित करते हुए का एनएसएस शिविर का प्रशिक्षण अपने जीवन में उतारकर व्यक्तित्व विकास करना जरूरी है समापन समारोह के विशिष्ट अतिथि नंदकिशोर कैलाश चंद्र महाविद्यालय, टिकरा के कुलानुशासन पुष्पेंद्र सिंह रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज अध्यक्ष डॉ. बिंदा प्रसाद धुरिया ने की।

कॉलेज के प्रबंधक एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के असिस्टेंट डीन, सीडीसी, प्रो. सुधाकर वर्मा ने आभार व्यक्त किया। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह मंच विद्यार्थियों को समाजहित के कार्यों–पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवा, जल प्रबंधन, आपदा प्रबंधन और रक्तदान–के प्रति प्रेरित करता है। कार्यक्रम अधिकारी सतीश चंद्र वर्मा और पुष्पेंद्र ने सात दिवसीय विशेष शिविर की रिपोर्ट प्रस्तुत की और स्वयंसेवकों के योगदान की सराहना की। विद्यालय के प्रधानाचार्य दिवाकर प्रकाश ने सभी अतिथियों और स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त करते हुए एनएसएस की भूमिका को विस्तार से समझाया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक जितेंद्र कुमार, सुमन वर्मा, विद्यालय प्रभारी राकेश वर्मा, कमलेश कुमार, विवेक अवस्थी, राहुल वर्मा, अंकित वर्मा, लवकुश वर्मा, शशिकांत गुप्ता, अंकित वर्मा, अदीप त्रिपाठी, विकास निगम,मोहिनी वर्मा, रोली वर्मा, रूही बानो, मीनाक्षी, गुंजन, शिखा वर्मा सहित अनेक वरिष्ठ नागरिक, छात्र-छात्राएं एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

लहरपुर में शिक्षक को एसडीएम ने किया सम्मानित, अनवर अली ने समग्र शिक्षा अभियान और नशा मुक्ति मिशन में किया है बेहतर काम

लहरपुर सीतापुर। लहरपुर में एक शिक्षक को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए विशेष सम्मान मिला है शिक्षक अनवर अली को समग्र शिक्षा अभियान, बचपन की मुस्कान, स्वच्छ भारत मिशन और नशा मुक्ति भारत मिशन में उनकी सक्रिय भूमिका के लिए सम्मानित किया गया इंटरनेशनल ह्यूमन राइट एंड कंट्रोल काउंसिल और नेशनल एंटी करप्शन कमीशन, नई दिल्ली ने उनका चयन किया शुक्रवार को तहसील सभागार में एसडीएम आकांक्षा गौतम ने उन्हें स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। एसडीएम गौतम ने इस अवसर पर कहा कि शिक्षक का काम सिर्फ पढ़ाना-लिखाना नहीं है वे आने वाली पीढ़ी को देश और समाज के निर्माण के लिए तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को बच्चों को शुरू से ही अच्छे संस्कार और अनुशासन सिखाना चाहिए साथ ही उन्हें अपनी परंपराओं के

गौरवशाली इतिहास से जोड़ना चाहिए कार्यक्रम में तहसीलदार मनीष त्रिपाठी, डॉ. भीमराव अंबेडकर शिक्षण संस्थान के मोहम्मद हसीन अंसारी, हिंदी साहित्य परिषद के अध्यक्ष संतोष कश्यप समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे ग्राम प्रधान शुभम श्रीवास्तव, शिक्षक रामचंद्र वर्मा, मोहम्मद इब्राहिम सिद्दीकी और एडवोकेट जेड आर रहमानी भी कार्यक्रम में शामिल हुए!!

ऑटो और बाइक की हुई जोरदार टक्कर बाइक सवार युवक की मौत, तीन लोग गंभीर रूप से घायल

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर जनपद सीतापुर में तेज रफ्तार ऑटो ई रिक्शा और बाइक की आमने सामने भिड़ंत हो गई इस हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। जबकि दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया हादसे के दौरान रिक्शे पर सवार महिला समेत दो लोग गंभीर घायल हो गया सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया मामला तंबौर थाना इलाके का है यहां थाना लहरपुर के ग्राम महज़दिया निवासी सगीर अपने दोस्त के साथ बाइक पर सवार होकर रतनगंज गांव में अपनी भाभी को

लेने जा रहा था बताया था कि इसी दौरान रास्ते में सुल्तानपुर गांव के निकट सामने से आ रहे ई-रिक्शा से बाइक की टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक पर बगैर हेलमेट सवार सगीर की मौत हो गई जबकि उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया वहीं टक्कर के बाद अनियंत्रित हुआ ई रिक्शा भी पेड़ से टकरा गया इस दौरान ई रिक्शा पर सवार महिला और पुरुष गंभीर रूप से घायल हो गए हादसे की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया वहीं शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया प्रभारी निरीक्षक तंबौर राकेश प्रताप सिंह ने बताया कि दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर मामले में आवश्यक विधि कार्रवाई की जा रही है!!

चंद्रभानु में राष्ट्रीय सेवा योजन द्वारा कार्यक्रमों की शुरुआत

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर। चंद्रभानु गुप्त कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा महिला सुरक्षा तथा टी बी जागरुकता अभियान की शुरुआत की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्रबंधक एवं बलरामपुर अस्पताल के पूर्व निदेशक डॉ तेज प्रकाश सिंह एवं प्राचार्य प्रो गजेंद्र सिंह एवं उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग की सेवानिवृत सत्त्या सिंह ने किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो गजेंद्र सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा किए

जाने कार्यों पर चर्चा की। महाविद्यालय के प्रबंधक डॉ तेज प्रकाश सिंह ने टी बी की बीमारी के लक्षण तथा बीमारी को खत्म करने तथा गुणवत्ता युक्त भोजन लेने की सलाह दी तथा टी बी की दवाइयों पर चर्चा की। उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग की सेवानिवृत डॉ सत्या सिंह ने महिलाओं की सुरक्षा तथा रक्षा पर विधिवत व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी शिवमंगल चौरसिया, धनेंद्र कुमार सिंह, डॉ आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ जसकरन सिंह, रामप्रकाश, डॉ दीप्ति श्रीवास्तव, डॉ रजनी शुक्ला, डॉ एसपी सिंह, प्रतिमा सिंह, रश्मि पांडे, डॉ उपमा त्रिपाठी सहित 207 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाइयों द्वारा 7 दिन बक्शी का तालाब के आसपास के गांवों में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा साथ में गीले एवं सुखे कचरे के प्रबंधन की जानकारी दी जाएगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत बिहारीपुर अब्दुल रहमान ब्लॉक भदपुरा बरेली

निविदा सूचना

क्र0 म0	कार्य का नाम	लागत
1	ग्राम पंचायत बिहारीपुर अब्दुल रहमान में ग्राम निधि के तहत आवश्यक एवं आकस्मिक सीसी रोड खड़ंजा नाली निर्माण कार्य	306225रू

पंजीकृत फर्मों से निविदा आमंत्रित की जाती है जिन्हें निविदा दाताओं के समक्ष दिनांक 27/3/2025 को खोली जाएगी इसकी सूचना ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है जिस किसी भी कार्य दिवस में देखा जा सकता है।

गायत्री देवी
ग्राम प्रधान

नरेश सागर
सचिव

संक्षिप्त ख़बरें

यूपी बोर्डः पांचवें दिन 47761 उत्तर पुस्तिकाओं का हुआ मूल्यांकन

मथुरा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाल में समाप्त हुई हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन आज पांचवें दिन भी हुआ। पांचवे दिन 47761 उत्तर पुस्तिकाओं की जांच हुई। पांच दिनों के अंदर तीन मूल्यांकन केंद्रों पर कुल 210137 उत्तर पुस्तिकाओं की जांच की जा चुकी है। जिला विद्यालय निरीक्षक रवीन्द्र सिंह ने बताया कि आज वीडीपी राजकीय इंटर कॉलेज मथुरा पर इंटरमीडिएट की 23632 उत्तर पुस्तिकाओं की जांच 430 परीक्षकों के द्वारा की गई। जबकि हाईस्कूल की जवाहर विद्यालय इंटर कॉलेज मथुरा पर 6879 उत्तर पुस्तिकाओं की जांच 435 परीक्षकों और किशोरी रमण इंटर कॉलेज 17250 उत्तर पुस्तिकाओं की जांच 370 परीक्षकों के द्वारा की गई। उन्होंने बताया कि आज हाईस्कूल की 24129 और इंटरमीडिएट की 23632 उत्तर पुस्तिकाओं की कुल जांच हुई। पांच दिनों के अंदर हाईस्कूल की 126199 और इंटरमीडिएट की 83938 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन हो चुका है। जबकि इंटर मीडिएट की 145846 और हाईस्कूल की 89598 उत्तर पुस्तिकाएं जनपद में जांच होने के लिए शेष हैं। इस प्रकार कुल 235444उत्तर पुस्तिकाओं की जांच होना अभी शेष हैं।

प्रेमी के साथ रह रही महिला ने खाया जहर

मथुरा। राया कस्बा में प्रेमी के साथ रह रही महिला ने विषाक्त का सेवन कर लिया। जिससे उसकी तबियत बिगड गई। बताया जा रहा है कि एक साल से पति को छोड़कर महिला राया में एक युवक के साथ रह रही थी। महिला की प्रेमी व उसके परिजनों से अनबन होने पर शुक्रवार की सायं विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। इस दौरान महिला की की हालत खराब हो गयी। सूचना पर पहुची पुलिस ने महिला को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसकी हालत में सुधार है। वहीं महिला प्रेमी के साथ रहने की जिद पर अड़ी है। युवती पर एक तीन वर्षीय बेटी है मांट निवासी पति से तलाक होने के बाद युवती बलदेब रोड पर किराए के मकान में रह रही थी। इस दौरान युवती के राया निवासी एक युवक से सम्बंध बन गए और युवती युवक के साथ रहने लगी। युवक के परिजनों को प्रेम प्रसंग की जानकारी होने पर युवती से कहासुनी कर दी। वहीं प्रेमी ने भी युवती से सम्बंध तोड़ दिया। इस दौरान प्रेमी से क्षुब्ध होकर युवती ने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। घटना के बाद प्रेमी और उसके परिजन फरार हो गए है। युवती का अस्पताल में उपचार चल रहा है। और युवती प्रेमी के साथ रहने की जिद पर अड़ी है।

पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय सौंसा का मना वार्षिकोत्सव

मथुरा। पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय सौसा के वार्षिकोत्सव में मां बेटी, अभिभावक मेला, शारदा सगोष्ठी छात्र छात्राओं द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। प्रारंभ में एआरपी अविनाश शुक्ला व अशोक कुमार के नेतृत्व में गांव में विद्यालय की छात्राओं और स्टाफ सहित रैली निकाल कर जनसमुदाय को शिक्षा के प्रति जागरूक किया। ग्रामीण परिवेश के नन्हे मुन्ने बच्चों की काबिलियित पर स्थानीय अभिभावकों ने तालियां बजाकर सराहना की। वार्षिकोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी बुद्धसेन और ग्राम प्रधान तेज सिंह ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण कर किया। सरस्वती वंदना के साथ मंचासीन अतिथियों को विद्यालय की प्रभारी प्रधान अध्यापिका हेमलता शर्मा व उनकी टीम के द्वारा पटुका पहनाकर सम्मानित किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी नेअभिभावकों को संबोधित करते हुए बच्चों की शिक्षा निर्वाध रूप से जारी रखने पर जोर दिया।

माध्यमिक शिक्षक संघ (ठकुराई गुट) का प्रांतीय अधिवेशन 11 से

मथुरा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (ठकुराई गुट)का 62वाँ प्रांतीय महाधिवेशन एवं शैक्षिक विचार गोष्ठी 11 व 12 अप्रैल को के.पी कम्युनिटी सेंटर, प्रयागराज में आयोजित किया जाएगा। शिक्षक संघ के प्रांतीय कोषाध्यक्ष अयोध्याप्रसाद अग्रवाल ने बताया कि इस महाधिवेशन के उद्घाटन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, विधान परिषद के सदस्य देवेंद्र प्रताप सिंह व अन्य विशिष्ट अतिथियों के द्वारा संबोधित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस महाधिवेशन में अमीर और गरीब की शिक्षा में बढ़ते वर्ग भेद, शिक्षा के निजीकरण, बाजारीकरण तथा विद्यालयों में आउटसोर्सिंग नियुक्तियों को रोकने, सभी माध्यमिक विद्यालयों का राजकीयकरण, पुरानी पेंशन योजना की मूल रूप में वापसी, चयन बोर्ड अधिनियम की धारा 21 की भांति शिक्षकों की सेवा सुरक्षा व अन्य सेवा शर्तों को सुरक्षित रखने, शिक्षकों की व्यापक एकता और संगठन की संरचना को मजबूत बनाने सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर गहनता से विचार किया जाएगा।

शहीद दिवसः शहीदों के संघर्ष और विचारों का हुआ गुणगान

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। शहीद दिवस पर शहीदों के सम्मान में जगह जगह कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। मथुरा में हुए कार्यक्रम भव्य नहीं थे लेकिन लोगों की भावनाओं से जुडे थे। अखिल भारतीय समता फाउंडेशन जनपद मथुरा द्वारा संरक्षक धनीराम बाबा प्रधान की अध्यक्षता में शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव जी के 94 वें बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कृष्णा नगर बिजली घर कैंप कार्यालय पर किया। अध्यक्ष बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी मथुरा के अध्यक्ष रमेश सैनी ने बताया कि शहीदों ने व्यवस्था परिवर्तन का सपना देखा था सिर्फ सत्ता परिवर्तन का नहीं, हमको शहीदों के विचारों को वर्तमान में उनकी प्रासंगिकता को समझते हुए उनके बताएं मार्ग पर चलने का खुद से आग्रह करना होगा, प्रतिबद्धता जतानी होगी, तब कहीं व्यवस्था परिवर्तन कर आम आदमी को राष्ट्र की मुख्य धारा से जोड़ा जा सकेगा। लुकेश कुमार राही, धनीराम बाबा प्रधान, विमल कुमार, ऋतिक सैनी, कोमल सैनी, राजवीर सिंह, आकाश बाबू, अंकित सागर, भोला कर्दम, गुड्डू शर्मा, सोहेल खान, गौरव कुमार आदि लोग मौजूद रहे। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भगत सिंह पार्क स्थित सरदार भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। तरंगा शाखा के सुरेश सैनी ने कहा कि शहीदों के विचार हमें उर्जा देते हैं। देश हमेशा वीरों ऋणी रहेगा। पूर्व जिलाध्यक्ष रवि प्रकाश भारद्वाज ने कहा कि युवाओं की सोच में सरदार भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों के विचारों का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। युवा क्रांतिकारी फैसले कर रहे हैं। सांप्रदायिक ताकतें सरदार भगत सिंह के विचारों से डरती हैं। सरदार भगत सिंह चाहते थे पूंजीवाद समाप्त हो। राकेश अग्रवाल, विशेष चतुर्वेदी, धनंजय सिंह, कमल सिंह, महेशचंद सैनी, संतोष चंद सक्सेना, निर्मल शर्मा, पवन सैनी, उमेश शर्मा आदि मौजूद थे।

60 फुट ऊंचे विशाल रथ में विराजमान होकर निकले ठाकुर रंगनाथ

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। उत्तर भारत में दक्षिणात्य शैली के विशालतम रंगनाथ मन्दिर के लगभग पौने दो सौ वर्ष प्राचीन चंदन निर्मित विशाल रथ में विराजित ठाकुर गोदा रँगमन्नार भगवान के दर्शनार्थ भक्तो का सैलाब उमड़ पड़ा। लगभग साठ फीट ऊंचे ठाकुर जी के भव्य रथ को खींचने के लिये भक्तो में होड़ लगी रही। रंगनाथ मंदिर दिव्यदेश के ब्रम्होत्सव में चौत्र कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि पर ठाकुर गोदा रंगमन्नार भगवान चन्दन निर्मित विशालकाय रथ पर विराजमान होकर भक्तो को कृतार्थ करने निकले। वैदिक परम्परा अनुसार प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में ठाकुर रंगनाथ भगवान श्रीदेवी, भूदेवी के साथ निज गर्भगृह से पालकी में विराजमान होकर ज्योतिष गणनानुसार मेष लग्न में दिव्याकर्षक रथ में विराजित हुए तो रंगनाथ भगवान के जयजयकार से सम्पूर्ण क्षेत्र गुंजायमान हो उठा। तदोपरांत वैदिक रीतिरिवाज से मंदिर पुरोहित विजय किशोर मिश्र व गोविंद किशोर मिश्र ने वेद मंत्रों का उच्चारण कर पूजन वंदन किया। लगभग एक घण्टे की पूजा प्रक्रिया के बाद जैसे ही सात कूपे का धमाका व काली के स्वर ने रथ के चलने का संकेत किया। भक्तो का उत्साह दोगुना हो गया। रंगनाथ भगवान के जयकारे लगा विशालकाय रथ को खीचने की होड़ सी लग गयी। मध्यान्ह रथ बड़ा बगीचा पहुंचा। जहां विश्राम के उपरांत रथ मन्दिर के लिए रवाना हुआ। रथ घर से ठाकुर जी को पुनः पालकी में विराजमान कर शुक्रवार बगीची में विराजित कर शीतलता प्रदान करने के उद्देश्य से रंगीन फब्बारे चलाये गये।

कल से तीन दिन सरकार आठ साल की उपलब्धियां गिनाएगी

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। प्रदेश सरकार के सेवा, सुरक्षा व सुशासन की नीति के आठ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनपद में प्रस्तावित कार्यक्रमों के सफल आयोजन हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद नोडल अधिकारी, मंडलायुक्त शैलेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई संपन्न। केन्द्र सरकार की 10 वर्ष की उपलब्धियों तथा प्रदेश सरकार ने विगत 8 वर्ष में सेवा, सुरक्षा और सुशासन की दिशा में अभूतपूर्व उपलब्धियां अर्जित की है, जिसे जनसामान्य को अवगत कराए जाने हेतु दिनांक 25, 26 एवं 27 मार्च 2025 को समारोह आयोजित कर शासन की महत्वपूर्ण उपलब्धियों एवं योजनाओं की जानकारी देने का निर्णय लिया गया है। मंडलायुक्त ने कहा कि यह आयोजन प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण है। किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सामाजिक व्यक्तियों, गणमान्य व्यक्तियों, उद्यमियों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, खिलाड़ियों, किसानों, अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्र छात्राओं आदि को सम्मानित कराने के निर्देश दिए। कार्यक्रम का व्यापक प्रचार प्रसार कराने के निर्देश दिए जिससे कि अधिक से अधिक लोग प्रतिभाग कर योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सके। उन्होने कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक समस्त तैयारियों को ससमय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि कार्यक्रम में 2 फिल्में दिखाई जाएंगे, जिसमें महाकुंभ 2025 एवं सरकार की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा। विभिन्न विभागों की स्टॉल्स में विभाग की उपलब्धियों की जानकारी दी जाएगी। नोडल अधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद में विभिन्न व्यंजनों के स्टाल लगाए जाए तथा फूड कोर्ट बनाया जाए। हेल्थ कैंप लगाए जाए। सत्रों के अंतराल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्थानीय लोगों को वरीयता दी जाए। बैठक में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, पुलिस उपमहानिरीक्षक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय, नगर आयुक्त शशांक चौधरी, मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व योगानंद पांडेय, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सुरेंद्र कुमार, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे राजेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

वीक एण्ड पर फिर वृंदावन में लगा जाम, श्रद्धालु हुए परेशान

स्वतंत्र प्रभात

मथुर। वृंदावन में रविवार को रंगजी मंदिर के रथ मेला का आयोजन हुआ। जिसमें दूर दराज के सैकड़ों श्रद्धालु श्रीधाम पहुंचे। जहां पर उन्होंने रथ खींच कर पुण्य लाभ अर्जित किया। साथ ही मेला क्षेत्र और वृंदावन की गलियां प्रशासन की लचर व्यवस्थाओं के चलते श्रद्धालु और बृजवासीयो को परेशानी का सामना करना पड़ा। वृंदावन में चारों ओर जाम का झाम बना रहा। वही मेला क्षेत्र में भी कई चार पहिया वाहन भी नजर आए। जिसमें चलते रथ खींचने आए श्रद्धालुओं को काफी दिक्कत हुई। मेला क्षेत्र के वृंदावन कोतवाली के निकट कई चार पहिया वाहन पार्क हुए नजर आए। वही मेला क्षेत्र में कई चार पहिया वाहन भी घूमते रहे। आपको बताते चले कि वृंदावन में वीकेंड के मौके पर नो एंट्री रहती है, लेकिन उसके बावजूद भी कई चार पहिया वाहन नगर में प्रवेश कर घूमते रहे। जिसके चलते जाम की समस्या बनी रही। भीषण गर्मी के चलते जाम में फंसे लोग भी परेशान होते हुए नजर आए। इस संबंध में बोलते हुए नगर उद्योग व्यापार मंडल के चेयरमैन धनेंद्र अग्रवाल बॉबी ने बताया कि वृंदावन में जाम की समस्या का प्रशासन पर कोई इलाज नहीं है। वीकेंड के मौके पर जाम की समस्या और भी विकराल हो जाती है। शासन प्रशासन कई बार जाम की समस्या को लेकर रणनीति बना चुका है, लेकिन सभी धराशाई हो जाती है।

अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ दक्षिण दिल्ली पुलिस का जबरदस्त एक्शन

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली। अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान करने और उन्हें निर्वासित करने के लिए चल रहे प्रयासों के हिस्से के रूप में एक निर्णायक कार्रवाई में,पीएस लोधी कॉलोनी और एएटीएस, दक्षिण जिला दिल्ली की एक संयुक्त टीम ने अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को भारत में अवैध रूप से बसने में सक्षम बनाने वाले एक परिष्कृत नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया है।सटीक खुफिया जानकारी से प्रेरित इस ऑपरेशन ने दस्तावेज़ जालसाजी,अवैध रोजगार और सीमा पार मनी लॉन्ड्रिंग के जाल को उजागर किया,जिसने संगठित अवैध आव्रजन को एक बड़ा झटका दिया।भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 318(2)/319(2)/337 के साथ विदेशी अधिनियम, 1946 की धारा 14 और आधार (वित्तीय और अन्य सब्सिडी, लाभ और सेवाओं का लक्षित वितरण) अधिनियम, 2016 की धारा 34 के तहत दर्ज एफआईआर संख्या 51/25 के मामले में आगे की जांच के दौरान, पुलिस स्टेशन लोधी कॉलोनी, दक्षिण जिला, दिल्ली में (08) बांग्लादेशी नागरिक भारत में अवैध रूप से रहते पाए गए। इसके अलावा, छह (06) अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ एफआरआरओ,नई दिल्ली के माध्यम से निर्वासन की कार्यवाही पूरी कर ली गई है और 4 और संदिग्ध बांग्लादेशियों की जांच चल रही है।इसके अलावा,टीम ने आठ (08) भारतीय नागरिकों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है, जिन्होंने इन बांग्लादेशी प्रवासियों को रोजगार,आवास हासिल करने और झूठे भारतीय पहचान दस्तावेज तैयार करने में मदद की। ज्वेल इस्लाम और मोहम्मद आलमगीर जाली आधार और पैन कार्ड के साथ वर्षों से भारत में रह रहे थे। मोहम्मद आलमगीर,जो 2007 से यहां हैं, ने अपने बच्चों का दाखिला भारतीय स्कूलों में कराया। मोहम्मद रेजाउल,जो 2000 से यहां रह रहे हैं, ने भारतीय पासपोर्ट हासिल किया, दो साल में 22 बार भारत और बांग्लादेश की यात्रा की और मनी लॉन्ड्रिंग करते हुए कैब ड्राइवर के रूप में काम किया। कमरुज्जमां 2014 में फर्जी आईडी के साथ भारतीय डिलीवरी एजेंट के रूप में आया था। जालसाजी के गिरोह का मास्टरमाइंड मोहम्मद मोइनुद्दीन दिल्ली में एक कंप्यूटर की दुकान चलाता था, जो उन्नत संपादन उपकरणों के साथ फर्जी जन्म प्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेज तैयार करता था।उसके काम ने आधार, पैन, मतदाता पहचान पत्र और पासपोर्ट के निर्माण को बढ़ावा दिया,शाहीन ने उन्हें नौकरी दिलवाई,जबकि मनवर हुसैन और निमाई करमाकर ने बांग्लादेश में अवैध नकदी प्रवाह की व्यवस्था की।इंस्पेक्टर राजेश कुमार, एसएचओ/पीएस लोधी कॉलोनी इंस्पेक्टर उमेश यादव आईसी/एएटीएस/दक्षिण जिला, इंस्पेक्टर राज कुमार, इंस्पेक्टर शामिल हैं। अमित कुमार, एसआई तालिब खान, एसआई रजनीश, एसआई विवेक चाहर, एसआई दीपक महला, एसआई विनोद कुमार, एसआई दिनेश कुमार, एचसी कृष्ण, एचसी सोमवीर, एचसी वीरेंद्र, एचसी रघु, एचसी सुरेश, एचसी जोगिंदर, एचसी राजेंद्र, एचसी सतीश, एचसी कृपाल, सीटी। अमित, सीटी. भूपेन्द्र, सीटी. श्री नारायण, सीटी. देवेन्द्र, सीटी. अरविन्द कुमार एवं सीटी. नागरमल एसीएसपी/डीएफसी एवं संचालन के मार्गदर्शन मे अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ पुलिस की यह जबरदस्त करवाई संपन्न हुई है।

भारत गौरव रत्न श्री सम्मान परिषद ने भव्य समारोह में दूरदर्शी व्यक्तित्वों को किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली। भारत गौरव रत्न श्री सम्मान परिषद ने नई दिल्ली के चाणक्यपुरी स्थित अशोक होटल में एक भव्य संगोष्ठी एवं पुरस्कार समारोह का आयोजन किया, जिसमें उन दूरदर्शी व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया जिनके योगदान ने समाज को गहराई से प्रभावित किया है। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में नीतिनिर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं और प्रभावशाली व्यक्तित्वों ने भाग लिया, जिसमें उत्कृष्टता, नेतृत्व और सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन का उत्सव मनाया गया। इस वर्ष के सम्मानित व्यक्तित्व राजनीति, खेल, कानून प्रवर्तन और शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए, जो भारत गौरव रत्न श्री सम्मान अवार्ड से समानित कर उस मिशन को सशक्त बनाते हैं जो राष्ट्र के विकास में योगदान देने वाले व्यक्तियों को पहचान दिलाने के लिए समर्पित है। समारोह में उपस्थित प्रमुख हस्तियों में मीनाक्षी लेखी पूर्व विदेश एवं संस्कृति राज्य मंत्री, भारत सरकार, चंदन कुमार चौधरी दिल्ली विधान सभा के सदस्य, डॉ. विजय जोली वरिष्ठ राजनीतिज्ञ, रवि कुमार दहिया ओलंपिक पदक विजेता एवं भारतीय पेशेवर पहलवान, सतपाल सिंह ओबेरॉय कौंसल, बंगी, डॉ. अरविंद कुमार शर्मा कैबिनेट मंत्री, हरियाणा सरकार डॉ. आलोक कुमार मिश्रा संयुक्त सचिव, भारतीय विश्वविद्यालय संघ श्रीमती किरण सेठी वरिष्ठ दिल्ली पुलिस अधिकारी शामिल थे। भारत गौरव रत्न श्री सम्मान संस्था के निदेशक डॉ. तपन कुमार राउतराय ने पुरस्कारों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, यह मंच उन लोगों को समर्पित है जिन्होंने अपने कर्तव्य से आगे बढ़कर समाज में स्थायी प्रभाव डाला है। उनकी निष्ठा और समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। यह समारोह नेतृत्व, दृढ़ता और समाज के सामूहिक प्रयासों को समर्पित एक सशक्त संदेश था, जो राष्ट्र के उज्जवल भविष्य के निर्माण में सहायक सिद्ध होगा। भारत गौरव रत्न श्री सम्मान परिषद अपनी इस प्रतिबद्धता को बनाए रखेगा कि वह उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को पहचान दिलाए और आने वाली पीढ़ियों को सामाजिक और राष्ट्रीय विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित करे।

चोरी का खुलासाः अब तक एक करोड़ से ज्यादा का स्क्रैप बरामद

मथुरा। 8 मार्च को चेन्नई से कुंडली जा रहे स्क्रैप से भरे ट्रक से चोरी की घटना में पुलिस को लगातार कामयाबी मिल रही है। पुलिस अब तक एक करोड़ से ज्यादा का स्क्रेप बरामद कर चुकी है। अभी तक 10 अंतरराज्यीय बदमाशों को अलग अलग हुई मुठभेड़ की दो घटनाओं में गिरफ्तार किया है। दोनों मुठभेड़ के दौरान छह बदमाश पुलिस की गोली लगने से घायल हुए हैं। शुक्रवार को रात के करीब एक बजे हुई पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाशों को गोली लगी है जबकि कुछ चार बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। जबकि इससे पहले 15 मार्च को हुई मुठभेड के दौरान चार बदमाशों को गोली लगी थी जबकि कुछ छह बदमाश गिरफ्तार किये गये थे। अब तक इस घटना में मथुरा पुलिस 10 बदमाशों को गिरफ्तार कर चुकी और एक करोड से अधिक कीमत के स्क्रेप की बरामदगी हुई है।

पुलिस ने पहली मुठभेड के बाद लगभग 55 लाख रुपये कीमत का सात टन स्क्रैप बरामद किया था। कोसीकलां पुलिस एवं एसओजी टीम की संयुक्त टीम ने 12 मार्च को रात करीब साढे बारह बजे फैट्री एरिया थाना क्षेत्र कोसीकलां मथुरा से चार बदमाशों को मुठभेड के बाद गिरफ्तार किया।

मुठभेड में साहिद पुत्र खालिद निवासी साठवाडिया वास कोसीकलां थाना कोसीकलां जिला मथुरा व सोहिल उर्फ अरवाज पुत्र खलील निवासी नाडूवास कोसीकलां थाना कोसीकलां पुलिस की गोली लगने से घायल हुए हैं।